छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 297 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 24 नवम्बर 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

कद्दावर आदिवासी नेता, पूर्व सांसद नंदकुमार साय हुए चोटिल

गृह ग्राम से हेलीकॉप्टर में साथ लेकर गए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ आदिवासी नेता नंदकुमार साय के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उन्हें हेलीकॉप्टर में अपने साथ रायपुर लेकर पहुंचे। पैर में चोट लगने से नंदकुमार साय को चलने-फिरने में तकलीफ हो रही थी, इसलिए मुख्यमंत्री ने बेहतर उपचार के लिए उन्हें रायपुर के बालाजी अस्पताल में भर्ती कराया है।



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि दो दिन पहले नंदकुमार साय फिसलकर गिर गए थे, जिससे उनके पैर में चोट आई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि रविवार को जशपुर प्रवास के दौरान उनके निवास के समीप ही एक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला था। इस दौरान वे रात में नंदकुमार साय के निवास पहुंचकर उनसे मिले और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पैर में चोट के कारण नंदकुमार साय को चलने-फिरने में तकलीफ हो रही थी। आज उन्हें रायपुर आना ही था, इसलिए नंदकुमार साय को भी अपने साथ हेलीकॉप्टर से रायपुर ले आए, ताकि उन्हें यात्रा में असुविधा न हो और बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि नंदकुमार साय के बेहतर उपचार के लिए रायपुर के बालाजी अस्पताल में व्यवस्था की गई है। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम उनकी जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री की इस संवेदनशीलता की राजनीतिक और सामाजिक हलकों में सराहना हो रही है। नंदकुमार साय छत्तीसगढ़ के कद्दावर आदिवासी नेताओं में गिने जाते हैं। वे लंबे समय से जशपुर अंचल की राजनीति और आदिवासी समाज के मुद्दों से जुड़े रहे हैं। उनके चोटिल होने की खबर मिलते ही कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

तेज रफ्तार बस टायर फटते ही पेड़ से टकराई, कंडेक्टर की मौत

एक दर्जन से अधिक यात्री घायल, हादसे के बाद बनी कोहराम की स्थिति

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बिहार से यात्रियों को लेकर अंबिकापुर आ रही एक यात्री बस सूरजपुर जिले के प्रतापपुर-शिवपुर मार्ग, खजुरी बांध के पास सोमवार को अलसुबह अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे के बाद कोहराम की स्थिति बन गई। दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि बस के सामने का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। कंडेक्टर की मौत हो गई, एक दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। सूचना मिलते ही प्रतापपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। गंभीर हालत में 4 यात्रियों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया, यहां दो का उपचार चल रहा है। हादसे ने यात्री बसों के परमिट और उनके निर्धारित मार्ग पर संचालन को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। बस संचालकों का आरोप है कि बिहार और उत्तर प्रदेश से आने-जाने वाली कई बसें, परमिट के विपरीत मार्गों से होकर संचालित हो रही हैं।

जानकारी के मुताबिक, बिहार के सासाराम से यात्रियों को लेकर शमीम बस क्रमांक सीजी 15 ईए 3408 का चालक रविवार को अंबिकापुर के लिए



निकला था। बस देर रात सेमरसोत होते हुए प्रतापपुर पहुंचने ही वाली थी, इसके पूर्व शिवपुर मोड़ के पास उसका टायर फट गया। बस का टायर अचानक फटने से चालक नियंत्रण नहीं रख पाया और बस सड़क किनारे पेड़ से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त होकर खेत की ओर झुक गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही प्रतापपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों तथा अन्य लोगों की मदद से घायल यात्रियों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने सभी घायलों को डॉयल 112 और एंबुलेंस की मदद से प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां 4 यात्रियों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। इनमें से मूलत: झारखंड पलामू के ग्राम मझौली मनातू निवासी शहरेयार खान पिता मो. सरफुद्दीन खान 37 वर्ष, वर्तमान निवासी नवागढ़ अंबिकापुर को मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर के आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। एक घायल यात्री को स्वजन अन्य अस्पताल ले गए, दो का जिला अस्पताल में, अन्य घायलों का प्रतापपुर में इलाज चल रहा है। बस हादसे की सूचना यात्रियों के स्वजन को मिली तो अस्पताल में गहमागहमी का माहौल बन गया। हादसे की खबर के बाद सोमवार की सुबह दुर्घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई।

हादसे में ये हुए घायल, एक रेफर

पेड़ से हुई बस की टक्कर में रवि सोनी, मालती, प्रिया सोनी, शांति, निखिल सिंह, गुड़िया सोनी, रानी सोनी, रूद्र सिंह, प्रीति सिंह, जगदेव, दिलीप सहित अन्य घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायलों में रेफर ठाकुरपुर निवासी जुगदेव को इलाज के बीच स्वजन बिना सूचना दिए ले गए। मालती देवी को रायपुर रेफर कर दिया गया है। अंबिकापुर की शकुंतला और अनीश सोनी लरंग साय चौक का मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है।

परमिट शर्तों का उल्लंघन, यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़

बस संचालकों का कहना है कि निर्धारित मार्ग से हटकर बसों का संचालन सीधे तौर पर परमिट शर्तों का उल्लंघन है। इससे न केवल स्थानीय मार्ग के यात्रियों को परेशानी होती है, बल्कि दुर्घटना की स्थिति में बीमा, मुआवजा और जिम्मेदारी को लेकर भी पेचीदगियां खड़ी हो जाती हैं। यह बस हादसा इसी लापरवाही का नतीजा है। बताया जा रहा है पहले राजपुर मार्ग पर सड़क निर्माण का हवाला देकर बसों के प्रतापपुर से गुजरने की बात कही जाती थी, लेकिन अब सड़क बन जाने के बाद भी बसों का मार्ग नहीं बदला है। ऐसे में सासाराम-अंबिकापुर सहित बिहार और उत्तर प्रदेश से आने वाली सभी बसों के परमिट और वास्तविक मार्ग की जांच जरूरी है।

रामगढ़ में अयोध्या के श्रीराम मंदिर की तर्ज पर आकार ले रहा भव्य मंदिर

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया निर्माण कार्य का निरीक्षण





छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहर रामगढ़ को नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड स्थित ऐतिहासिक रामगढ़ में अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर की तर्ज पर श्रीराम मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने रामगढ़ पहुंचकर निर्माणाधीन श्रीराम मंदिर का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंदिर निर्माण की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से शीघ्र पूर्ण करने की आवश्यकता पर बल दिया।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि कुछ समय पूर्व उन्होंने रामगढ़ में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण की घोषणा और भूमिपूजन किया था। आज उस संकल्प को धरातल पर साकार होते देखकर अत्यंत सुखद अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक मंदिर का निर्माण नहीं, बल्कि क्षेत्रवासियों की आस्था, विश्वास और भावनाओं से जुड़ा एक पवित्र संकल्प है। भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा और क्षेत्र की धार्मिक परंपराओं को सहेजने के उद्देश्य से यह निर्माण कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रभु श्रीराम भारतीय संस्कृति, मर्यादा, आदर्श और जीवन मूल्यों के प्रतीक हैं। उनके जीवन से समाज को सत्य, धर्म, कर्तव्यनिष्ठा और लोककल्याण की प्रेरणा मिलती है। रामगढ़ की पावन भूमि पर श्रीराम मंदिर का निर्माण क्षेत्र की आध्यात्मिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने कामना की प्रभु श्रीराम की कृपा से मंदिर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण हो और यह स्थान आने वाले समय में श्रद्धालुओं की आस्था तथा छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गौरव का महत्वपूर्ण केंद्र बने।

छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ का भगवान श्रीराम से गहरा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध रहा है। प्रदेश की लोकमान्यताओं में छत्तीसगढ़ को भगवान श्रीराम का ननिहाल माना जाता है। वनवास काल के दौरान भगवान श्रीराम के छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरने की मान्यताएं भी प्रचलित हैं। रामगढ़ का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व इसी समृद्ध परंपरा से जुड़ा हुआ है। यहां स्थित रामगढ़ पर्वत, प्राचीन गुफाएं और प्राकृतिक सौंदर्य इस क्षेत्र को विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं।

वर्षों पुरानी आकांक्षाएं ले रही मूर्तरूप

मंत्री ने कहा अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण ने देशभर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान की है। इसी प्रेरणा से रामगढ़ में श्रीराम मंदिर का निर्माण क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी आस्था और आकांक्षाओं को मूर्त रूप देने का प्रयास है। इस पवित्र स्थल का विकास हमारी सांस्कृतिक जड़ों को सहेजने और भावी पीढ़ियों को गौरवशाली विरासत से परिचित कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंदिर निर्माण के प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता, धार्मिक गरिमा और स्थापत्य सौंदर्य का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। मंदिर का निर्माण इस प्रकार होना चाहिए कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए आस्था, श्रद्धा और सांस्कृतिक गौरव का स्थायी प्रतीक बन सके।

स्कॉर्पियो सवारों से 22.800 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब जब्त

शराब तस्करी के मामले में 2 गिरफ्तार, वाहन सहित



छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना कोतवाली पुलिस टीम ने शराब तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से स्कॉर्पियो वाहन से 22.800 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की गई है। शराब की बाजारू कीमत करीब 16 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने शराब के साथ स्कॉर्पियो वाहन को जब्त करके छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की है।

जानकारी के मुताबिक, कोतवाली थाना पुलिस को 21 नवम्बर को दोपहर बाद मुखबिर से सूचना मिली कि, खैरबार रोड गाड़ाघाट से आगे एक सफेद स्कॉर्पियो में सवार दो व्यक्ति अवैध रूप से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब रखकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना पर थाना कोतवाली के निरीक्षक सुमेश सिंह के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक द्वय सतीश कुमार सिंह व मुकेश गुप्ता, आरक्षक कुश सोनी, सुरेश कुमार गुप्ता, अमरेश दास, संजीव चौबे, संजीव पाण्डेय, अभिषेक सिंह के साथ वे मौके पर घेराबंदी करके स्कार्पियो वाहन क्रमांक सीजी 15 डीएक्स 7048 को रोके, तो इसमें रितेश राजवाड़े पिता मिठाउ राम राजवाड़े 26 वर्ष और ठाकुर प्रसाद राजवाड़े पिता रविन्द्र राजवाड़े 20 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम भिट्ठीकला माझापारा थाना मणीपुर मिले। स्कॉर्पियो वाहन की तलाशी लेने पर दो कार्टून में बियर की 24 बोतल, कुल 15.6 लीटर, ड्राइवर के बगल में बैठे व्यक्ति के पास रखे काले रंग के पिट्ठू बैग में ग्रीन लेबल का 10 पाव, 1.08 लीटर, फ्रंटलाइन क्लासिक व्हिसकी का 10 पाव, 1.08 लीटर और गोआ स्पेशल व्हिसकी का 20 पाव, 3.6 लीटर अंग्रेजी शराब मिली। जब्त किए गए कुल 22.800 लीटर शराब व स्कार्पियो वाहन की जप्ती कार्रवाई के बाद दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास शराब रखने, परिवहन करने व बिक्री संबंधी किसी प्रकार का वैध दस्तावेज नहीं मिला।

दोस्त का इंतजार कर रहे युवक पर धारदार हथियार से हमला

कार में युवती के साथ शराब पी रहे युवक ने घटना को दिया अंजाम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के हरसागर तालाब के पास दोस्त का इंतजार कर रहे एक युवक पर धारदार चीज से हमला करने के मामले में पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। हमले में युवक के गले में चोट आई और खून निकलने लगा।

जानकारी के मुताबिक ग्राम कांतिप्रकाशपुर बसोरपारा का राहुल सिंह पिता कृष्णपाल सिंह 25 वर्ष 21 नवम्बर को रात 10 बजे हरसागर तालाब के पास अपने दोस्त का इंतजार कर रहा था। इस दौरान एक लड़का और एक लड़की कार में बैठकर शराब पी रहे थे। कुछ देर बाद उन लोगों का बहस एक ऑटो वाले से होने लगा। कार में बैठा लड़का नीचे उतरकर उसके पास आया और गाली देते हुए गुंडा बन रहा है कहकर जान से मारने की धमकी दिया और उसके ऊपर किसी धारदार चीज से हमला कर दिया, जिससे उसके गले से खून निकलने लगा। पुलिस मामले में अग्रिम जांच कार्रवाई करते हुए आरोपी के तलाश में जुटी है।





(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

ई-ऑफिस और उपस्थिति व्यवस्था का प्राथमिकता से पालन करें अधिकारी : कलेक्टर

★ ई-फाइलें समय-सीमा में निपटाएं, अनावश्यक लंबित न रखें ★ ई-ऑफिस से बढ़ेगी पारदर्शिता और जवाबदेही, विभाग प्रमुख रोज करें ई-फाइलों की समीक्षा★ समय-सीमा की बैठक संपन्न



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में अधिकारियों को ई-ऑफिस कार्य प्रणाली और उपस्थिति (अटेंडेंस) व्यवस्था का प्राथमिकता के साथ पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार ई-फाइलों की स्थिति और लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और ई-फाइलों का निराकरण तय समय-सीमा में करने को कहा। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस प्रणाली का मुख्य उद्देश्य शासकीय कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित निर्णय को बढ़ावा देना है, इसलिए फाइलों को बिना कारण लंबित रखना उचित नहीं है। सभी विभाग प्रमुख प्रतिदिन ई-फाइलों का अवलोकन करें और प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही करें।

कलेक्टर ने कहा कि ई-ऑफिस और उपस्थिति व्यवस्था में अब तक हुए सुधारों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण कराया जाएगा। साथ ही यह आकलन भी किया जाएगा कि अब तक कितनी प्रगति हुई है और आगे किन क्षेत्रों में और सुधार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिला संयुक्त कार्यालय को आदर्श कार्यालय के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और लगातार सुधार की भावना जरूरी है।

बैठक में शहर की साफ-सफाई व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधितों को सभी वार्डों, प्रमुख सड़कों, चौक-चौराहों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आम नागरिकों के आवेदनों और शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे। सभी अधिकारी आपसी समन्वय से जनहित के कार्यों में तेजी लाएं और मैदानी स्तर पर व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करें। बैठक में धान खरीदी, सुघर छत्तीसगढ़ अभियान और पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति की समीक्षा भी की गई। साथ ही 27 नवंबर को रघुनाथनगर में प्रस्तावित मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों पर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार सिदार, श्री आर.एस. लाल, श्री अभिषेक गुप्ता एवं सर्व एसडीएम, जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

रघुनाथनगर में 27 नवंबर को मेगा महिला स्वास्थ्य शिविर, बच्चे, बुजुर्ग और पुरुष भी करा सकेंगे नि:शुल्क जांच

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासकीय हाई स्कूल, रघुनाथनगर में 27 नवंबर 2026, शुक्रवार को जिला प्रशासन और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क मेगा महिला स्वास्थ्य शिविर लगेगा। शिविर में दूरस्थ अंचलों के निवासियों और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के परिवारों पर खास ध्यान रहेगा। यह शिविर मुख्य रूप से महिलाओं के लिए है, लेकिन बच्चे, बुजुर्ग और पुरुष भी यहां नि:शुल्क जांच और परामर्श ले सकेंगे। इसका उद्देश्य विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं लोगों के नजदीक पहुंचाना है, ताकि बीमारियों की पहचान और उपचार समय पर हो सके। शिविर में स्त्री रोग, त्वचा रोग, सामान्य चिकित्सा, नेत्र रोग, मानसिक रोग, हड्डी रोग, शल्य चिकित्सा, कान-नाक-गला रोग, कैंसर रोग और शिशु रोग के विशेषज्ञ सेवाएं देंगे। यहां मासिक धर्म की अनियमितता, श्वेत प्रदर, त्वचा एलर्जी, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, दृष्टि दोष, चिंता व अनिद्रा, जोड़ों का दर्द और गठिया, बवासीर तथा कान



से जुड़े रोगों की जांच होगी। स्तन में गांठ और मुंह पर धब्बे जैसे कैंसर के संभावित लक्षणों की भी जांच की जाएगी। बच्चों में कुपोषण, उल्टी-दस्त और बार-बार होने वाले निमोनिया जैसी समस्याओं पर भी परामर्श मिलेगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने कहा कि घर-परिवार की जिम्मेदारियों के बीच महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देती हैं, जिससे छोटी बीमारी भी गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस शिविर में एक ही जगह पर कई विशेषज्ञों से परामर्श लेने का अच्छा अवसर मिलेगा। उन्होंने गृहणियों, कामकाजी महिलाओं और क्षेत्र के सभी आयु वर्ग के महिला-पुरुषों से अपील की कि वे शिविर में पहुंचें, अपनी स्वास्थ्य समस्याएं बिना झिझक बताएं और नि:शुल्क जांच व परामर्श का लाभ लें।

कलेक्टर जनदर्शन में आए 17 आवेदन, समय-सीमा में निराकरण के निर्देश



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं, मांगों और शिकायतों से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने हर आवेदक की बात गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनी।

जनदर्शन में कुल 17 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदन संबंधित विभागों को भेजते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर प्रकरण का निर्धारित समय-सीमा में पारदर्शी और प्रभावी निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण कर आवेदकों को जल्द राहत दी जाए और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से मिले।

बकरीशाला से पांच पशुओं को अज्ञात चोरों ने किया पार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत जगतपुर स्कूलपारा निवासी सुरेश कुमार कुशवाहा के घर के पीछे बने बकरीशाला से अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर तीन बकरे और दो बकरियां चुरा ली है। इन पांच पशुओं की कीमत करीब 60 हजार रुपए बताई जा रही है। लटोरी पुलिस ने बताया कि प्रार्थी सुरेश कुमार कुशवाहा पिता राम प्रसाद कुशवाहा ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 20 नवंबर की शाम करीब छह बजे अपने तीन बकरे और दो बकरियों को बकरी बांधने वाले कमरे में सुरक्षित बांध दिए थे। कमरे को अंदर से ताला बंद कर बाहर से सिकड़ी भी लगा दी थी। 21 नवंबर को सुबह करीब पांच बजे पत्नी संध्या कुशवाहा बकरियों को बाहर



निकालने के लिए बकरीशाला के पास पहुंचीं। वहां पहुंचते ही उनके होश उड़ गए। कमरे का दरवाजा खुला था और ताला टूटा हुआ था। अंदर झांकने पर एक भी बकरा या बकरी नजर नहीं आई। अज्ञात चोर ताला तोड़कर तीन बकरे और दो बकरियां लेकर फरार हो चुके थे। सूचना पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

प्रबंधन के साथ 3 घंटे चली सकारात्मक वार्ता के बाद एटक का आंदोलन स्थगित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के तत्वाधान में ठेका श्रमिकों की 15 सूत्रीय मांगों को लेकर चल रही क्रमिक भूख हड़ताल एवं प्रस्तावित आमरण अनशन के संबंध में आज दोपहर 12 बजे ट्रांजिट हाउस में प्रबंधन द्वारा वार्ता हेतु बैठक बुलाई गई। करीब 3 घंटे तक चली लंबी एवं सार्थक वार्ता पश्चात क्षेत्रीय प्रबंधन ने ठेका श्रमिकों की सभी जायज मांगों पर सहमति जताते हुए उन्हें 31 दिसंबर तक पूर्ण करने का आश्वासन दिया है। प्रबंधन के इस लिखित सकारात्मक आश्वासन के बाद संघ द्वारा अपने आंदोलन को 15 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दिया है। महाप्रबंधक संचालन अतुल एसबी सिंह की अध्यक्षता में



आयोजित इस बैठक में प्रबंधन की ओर से क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक एसकेपी शिंदे, आईआर प्रभारी प्रदीप कुमार, अमेरा सहक्षेत्र प्रबंधक, बिश्रामपुर-आमगांव सहक्षेत्र प्रबंधक, आरजीकेके प्रभारी सहक्षेत्र प्रबंधक सहित सभी इकाइयों के एचआर मैनेजर उपस्थित थे। वहीं श्रम संगठन एटक की ओर से क्षेत्रीय सचिव पंकज कुमार गर्ग, आरके द्विवेदी, सलमान खान, गोपाल शर्मा, विकास कुमार मिश्रा, विपिन सिंह, ठेका श्रमिक सोमार साय, धर्मजीत विनोद बघेल सहित क्षेत्र की विभिन्न खदानों के ठेका श्रमिक प्रतिनिधि बैठक में शामिल रहे।

कंदरई में देवउठनी एकादशी पर आयोजित की गई करमा उत्सव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। देव उठनी एकादशी करमा उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम पंचायत कंदरई में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य नरेन्द्र यादव थे। अन्य अतिथियों में भाजपा मंडल महामंत्री देवशरण सिंह सिरदार, सरपंच कंदरई सावित्री सिरदार, सरपंच जमदेई कौशिल्या सिरदार, जनपद सदस्य प्रतिनिधि सुरेश सिरदार, बिंझिया समाज संभागीय अध्यक्ष बुझन राम उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूवात सर्वप्रथम भगवान करमदेव की पुजा अर्चना कर किया गया। प्रतियोगिता प्रारंभ होने से पूर्व सभी करम दल के प्रभारीयों ने अपना पंजीयन कराया। प्रतियोगिता का निर्धारित समय सीमा 7 मिनट था, जिसमें गायन, वादन, नृत्य, साज सज्जा, प्रश्नोत्तरी कुल 50 अंक था। इसके पश्चात सभी करम दल प्रतिभागियों को एक-एक करकरम देव के समीप करमा नृत्य की प्रस्तुति कराया गया। प्रतियोगिता में 20 करम दल ने भाग लिया था, जिसमें प्रथम स्थान ग्राम पंचायत पेंडरखी के



करम दल ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान ग्राम पंचायत पलका एवं तीसरा स्थान ग्राम पंचायत गुमगरा के टीम ने प्राप्त किया। साथ ही सभी 17 करम दल को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से शंकर गवंटिया, राजेन्द्र गवंटिया, आलम साय बिंझिया, सिदेश्वर सिंह, रविन्द्र सिंह, राजेश्वर सिंह, किरण चंद, सनेश्वर प्रसाद सिंह, जनेश्वर प्रसाद, महेन्द्र सिंह, संजीवन दास, अमृत राम, बसंत सिरदार, दुबराज सिरदार, कृष्ण राम, भीखम राम, कृष्णपाल बिंझिया, दयाल राम, जामवंत सिरदार चंन्द्रभान, वीरचंद, बुधराम सिंह, बहादुर सिंह, दुबराज सिंह व अन्य उपस्थित रहे। निर्णायक की भूमिका सुरेश गुप्ता एवं देवशरण सिंह ने निभाया। मंच संचालन दयाल सिंह व आभार बिंझिया समाज युमो प्रवक्ता देवशरण सिंह ने किया।

कार्तिक पूर्णिमा पर कल महादेवघाट में सजेगा पुन्नी मेला, खारून तट पर उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

रायपुर, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की धार्मिक आस्था और समृद्ध लोक संस्कृति का प्रतीक ऐतिहासिक पुन्नी मेला कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर कल 24 नवंबर को राजधानी रायपुर के महादेवघाट में आयोजित होगा। खारून नदी के पावन तट पर लगने वाले इस मेले में रायपुर सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालु यहां पुण्य स्नान, दीपदान और भगवान हटकेश्वर महादेव के दर्शन कर पूजा-अर्चना करेंगे। लोकमान्यताओं के अनुसार खारून नदी के किनारे भगवान शिव की आराधना और कार्तिक पूर्णिमा पर पुण्य स्नान की परंपरा लंबे समय से प्रचलित है। समय के साथ इस धार्मिक आयोजन ने विशाल मेले का स्वरूप धारण कर लिया। मंदिर की प्राचीनता, शिवभक्ति की परंपरा और खारून नदी के प्रति श्रद्धा ने महादेवघाट को रायपुर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में प्रतिष्ठित किया है।

महादेवघाट का पुन्नी मेला धार्मिक आयोजन के साथ छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराओं का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्तिक पूर्णिमा के दिन सुबह से ही खारून नदी में स्नान, मंदिर में जलाभिषेक और दीपदान का सिलसिला शुरू होता है। श्रद्धालु भगवान शिव को बेलपत्र, पुष्प और जल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और प्रदेश की खुशहाली की कामना करते हैं। ज्ञात हो कि महादेवघाट स्थित प्राचीन हटकेश्वर महादेव मंदिर का संबंध कलचुरी शासनकाल से माना जाता है। प्रचलित ऐतिहासिक विवरणों और स्थानीय मान्यताओं के अनुसार मंदिर का निर्माण कलचुरी राजा ब्रह्मदेव के शासनकाल में हुआ था। कुछ विवरणों में इसका निर्माण वर्ष 1402 ईस्वी के आसपास बताया गया है। खारून नदी के तट पर स्थित यह मंदिर लंबे समय से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है।



पुन्नी मेले में धार्मिक गतिविधियों के साथ छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोकजीवन की भी झलक देखने को मिलती है। मेला परिसर में खानपान, खिलौने, श्रृंगार सामग्री और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की दुकानें सजती हैं। बच्चों के लिए झूले और मनोरंजन के साधन आकर्षण का केंद्र रहते हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आने वाले परिवारों के लिए यह आयोजन धार्मिक दर्शन के साथ मेल-मिलाप और मनोरंजन का अवसर भी बनता है। धान की कटाई के आसपास का समय प्रदेश की ग्रामीण संस्कृति में मेलों और मड़ई की परंपराओं से जुड़ा रहा है। ऐसे आयोजन कृषि प्रधान समाज में सामूहिक उल्लास, पारिवारिक मिलन और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देते हैं।

आधुनिक राजधानी के बीच स्थित महादेवघाट अपनी धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक विशेषताओं के कारण श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। प्राचीन हटकेश्वर महादेव मंदिर, खारून नदी का तट और घाटों का परिवेश इसे विशेष पहचान देते हैं। कार्तिक पूर्णिमा पर दीपों से जगमगाता नदी तट और मंदिरों में गूंजते मंत्रोच्चार पुन्नी मेले को विशिष्ट आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान करते हैं।

27 नवंबर को होने वाला संभाग स्तरीय विशाल रोजगार मेला स्थगित, अब दिसंबर में होगा आयोजन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, बलरामपुर द्वारा 27 नवंबर 2026 को जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज, बलरामपुर में प्रस्तावित संभाग स्तरीय विशाल रोजगार मेला अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। अब यह मेला दिसंबर 2026 में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। मेले की निश्चित तिथि और स्थान की सूचना अलग से जारी की जाएगी।

मेले में निजी क्षेत्र की 11 प्रतिष्ठित कंपनियां 1,631 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती करेंगी। इनमें नर्सिंग, केयर-टेकर, सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर, इलेक्ट्रिक मीटर टेक्नीशियन, मशीन ऑपरेटर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर, टीचर और बीमा सखी जैसे पद शामिल हैं। इन पदों के लिए 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक और जीएनएम/एएनएम योग्यता निर्धारित है।

इच्छुक आवेदकों को मेले से पहले ई-रोजगार पोर्टल (erojgar.cg.gov.in) या सीजी रोजगार ऐप पर ऑनलाइन पंजीयन कर संबंधित पद के लिए आवेदन करना अनिवार्य है। साक्षात्कार के दिन अभ्यर्थी सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की मूल प्रति और छायाप्रति, आधार कार्ड, रोजगार पंजीयन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो और बायोडाटा साथ लाएं। आवेदन और चयन प्रक्रिया पूरी तरह नि:शुल्क है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय (सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक) में संपर्क नंबर 9685672368 पर संपर्क किया जा सकता है।

मितानिनों के समर्पण व सेवाभाव को मिली सराहना, पुलिस लाइन में हुआ सम्मान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



अम्बिकापुर। मितानिन दिवस के अवसर पर शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर पुलिस लाइन, अम्बिकापुर में कार्यक्रम आयोजित कर मितानिनों के योगदान की सराहना की गई तथा उन्हें शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जगसाय सरूता, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.सी. पैकरा, डॉ. पी.के. सिन्हा (डीएनओ-एनएलईपी), डॉ. शीला नेताम (यूसीएचसी प्रभारी), डॉ. सीमा तिग्गा (डीएम-अर्बन), डॉ. उत्कर्ष सोनी (शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर पुलिस लाइन प्रभारी), अनिल पाण्डेय, धनेश प्रताप (सुपरवाइजर), मितानिन प्रशिक्षक, मितानिन सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मितानिनों की स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए उनके समर्पण एवं सेवा भावना की सराहना की गई। मितानिन शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण, स्वच्छता तथा शासन की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके निरंतर प्रयासों से समुदाय स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ रहा है और लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जगसाय सरूता ने मितानिनों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने तथा समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने में मितानिनों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर डॉ. जगसाय सरूता द्वारा समस्त मितानिनों को शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया तथा उनके समर्पण, सेवाभाव एवं निरंतर प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

फसह के प्रेम के द्वारा जीवन देने के लिए 2015वीं विश्व रक्तदान ड्राइव आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



अंबिकापुर। चर्च ऑफ गॉड वर्ल्ड मिशन सोसाइटी ने आर.एस.डी.के.एस. शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में फसह के प्रेम के द्वारा जीवन देने के लिए 2015वीं विश्व रक्तदान ड्राइव का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस अभियान के माध्यम से चर्च ने स्थानीय क्षेत्र में रक्त की आपूर्ति को स्थिर करने में योगदान दिया और रक्त की कमी से जूझ रहे पड़ोसियों तक जीवन बचाने वाले प्रेम का संदेश पहुंचाया।

चर्च ऑफ गॉड के अधिकारी किरण चौहान (केविन) ने कहा, ह्यीशु मसीह ने क्रूस पर कष्ट सहने से एक दिन पहले फसह के दिन, अपने मांस और लहू को दर्शाने वाली रोटी और दाखमधु के द्वारा अनन्त जीवन देने का वादा किया था। मानवजाति के प्रति मसीह के प्रेम और बलिदान का अनुसरण करते हुए पड़ोसियों के प्रति प्रेम को व्यवहार में लाने के लिए हम इस रक्तदान ड्राइव का आयोजन कर रहे हैं ह्व चिकित्सा महाविद्यालय ने चिकित्सा कर्मियों के साथ-साथ रक्तदान के लिए आवश्यक सामग्री और नाश्ते की व्यवस्था करके कार्यक्रम स्थल पर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति भी पहुंचे। महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा कि ह्यवर्ल्ड मिशन सोसायटी चर्च ऑफ गॉडह्व समाज सेवा के कार्यों के लिए हर समय तत्पर रहती है। इस अभियान में संस्था द्वारा 200 यूनिट रक्तदान करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसकी पूर्ति से जरूरतमंद लोगों को सहायता मिलेगी। इस अवसर पर डीन डॉ. राकेश निगम, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. आर. सी. आर्य, असिस्टेंट मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. जी. के. दामले और सिविल सर्जन डॉ. जे. के. रेलवानी भी उपस्थित रहे। रक्तदान पूरा करने वाले सत्यदीप टोप्पो (41) ने कहा, ह्यएक यूनिट रक्त, तीन नई ज़िंदगियाँ - इस अनमोल एहसास से बढ़कर कोई सुकून नहीं।ह्व रेशमा खेस (38), प्रबोध कुजुर (45) और पवन तिग्गा (35) ने भी रक्तदान को पुण्य कार्य और सच्ची खुशी बताते हुए अपने अनुभव साझा किए। वर्ष 2005 में कोरिया में शुरू हुआ चर्च ऑफ गॉड का रक्तदान अभियान अब अमेरिका, जर्मनी, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे सहित 68 देशों में चलाया जा रहा है। सितंबर तक यह अभियान 1,890 बार आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 3,43,000 लोगों ने भाग लिया और लगभग 1,46,000 लोगों ने रक्तदान किया। एक व्यक्ति के रक्तदान से तीन लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। इस हिसाब से यह अभियान लगभग 4,40,000 लोगों का जीवन बचाने में सहायक रहा है।

तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को बीज वितरण व वैज्ञानिक खेती का प्रशिक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



अंबिकापुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर द्वारा लुण्ड्रा ब्लॉक के कछार गांव एवं अंबिकापुर ब्लॉक के कंचनपुर के जनजातीय कृषकों को तिलहन फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरसों एवं अलसी बीज वितरण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में किया गया। यह कार्यक्रम डॉ. संतोष सिन्हा, अधिष्ठाता, राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर तथा परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र के सह संचालक अनुसंधान डॉ. के. एल. पैकरा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जनजातीय कृषकों को सरसों एवं अलसी की उन्नत किस्मों के बीज वितरित किए गए। साथ ही कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को बीज उपचार, उन्नत बुवाई विधि, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण तथा कीट एवं रोग प्रबंधन की वैज्ञानिक तकनीकों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। किसानों को कतार विधि से बुवाई पर जोर दिया गया। इस अवसर के प्रधान अन्वेषक डॉ. सत्येंद्र कुमार गुप्ता सहित डॉ. महिपाल, डॉ. मधुलिका सिंह, डॉ. अखिलेश लकड़ा तथा अन्य वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वैज्ञानिकों ने किसानों को सरसों एवं अलसी की वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि इन तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने से किसानों की आय एवं आजीविका में वृद्धि के साथ-साथ क्षेत्र में तिलहन उत्पादन एवं उत्पादकता को भी बढ़ाया जा सकता है।

लांजित में मितानिन दिवस पर उत्कृष्ट मितानिन दीदियों का हुआ सम्मान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



ओड़गी। ग्राम पंचायत लांजित में मितानिन दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत भवन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना कर किया गया। इस अवसर पर सरपंच धरम सिंह आयम ने कहा कि मितानिन दीदियां ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं। वे गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों एवं जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनका सेवाभाव, समर्पण और योगदान समाज के लिए बेहद सराहनीय है। उपसरपंच अमर सिंह पोया ने भी सभी मितानिन दीदियों को मितानिन दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अधिवक्ता के बंद मकान को चोरों ने बनाया निशाना, 10 हजार नकद व जरूरी कागजात पार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में बीते दिनों चोरों ने एक अधिवक्ता के बंद मकान को निशाना बनाकर हजारों की नगदी और जरूरी कागजात पार कर दिए।जानकारी होने के बाद पीड़ित ने बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजनौर के चंद्रावल स्थित चंद्रभान गुप्ता लॉ कॉलेज के निकट शौर्य एल्डिको निवासी अधिवक्ता देवेंद्र कुमार सिंह के मुताबिक वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ गांव गए हुए थे।इसी दौरान 13 नवंबर की रात दो से चार अज्ञात चोर घर में घुस आए और फ्रिज पर रखे पर्स से दस हजार रुपये और जरूरी कागजात चोरी कर ले गए। अगले दिन सुबह घर लौटने पर उन्होंने सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो उसमें रात करीब 1:40 बजे अज्ञात लोग घर में दाखिल होते दिखाई दिए।

सीजी-एसीई योजना में कोचिंग संस्थाओं के इम्पैनलमेंट के लिए निविदा जारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ सहायक प्रतियोगी परीक्षा योजना 2026 के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के चयनित अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराने हेतु अम्बिकापुर शहर में प्रतिष्ठित निजी कोचिंग संस्थाओं के इम्पैनलमेंट के लिए निविदा आमंत्रित की गई है। योजना के तहत चयनित अभ्यर्थियों को आईबीपीएस(बैंकिंग सेवा), रेलवे, एसएससी एवं छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। प्रशिक्षण का उद्देश्य अभ्यर्थियों को प्रतिस्पर्धात्मक रूप से सक्षम बनाना तथा परिणाममूलक सफलता सुनिश्चित करना है।

अम्बिकापुर के लिए कुल 125 प्रशिक्षण सीटें निर्धारित की गई हैं, जिनमें अनुसूचित जनजाति के लिए 50, अनुसूचित जाति के लिए 30 तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 45 सीटें शामिल हैं। चयनित कोचिंग संस्थाओं को दो वर्ष के लिए इम्पैनल किया जाएगा। इस अवधि में संस्थाओं को अनुबंधित दर पर निर्धारित छह-छह माह के प्रशिक्षण सत्र संचालित करने होंगे। विशेष परिस्थितियों में इम्पैनलमेंट की अवधि अधिकतम एक वर्ष अथवा एक सत्र के लिए बढ़ाई जा सकेगी। निविदा में भाग लेने वाली संस्थाओं को आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, नवा रायपुर अटल नगर के पक्ष में एक लाख रुपये की न्यूनतम अमानत राशि एफडीआर के रूप में जमा करनी होगी तथा इसकी मूल प्रति संबंधित कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी। इम्पैनलमेंट हेतु प्रस्ताव तीन लिफाफा पद्धति में प्रत्येक प्रशिक्षण केंद्र के लिए पृथक सीलबंद लिफाफे में कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, ब्लॉक-04 डी, भूतल, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर में पंजीकृत डाक अथवा विशेष वाहक के माध्यम से 14 दिसंबर 2026 को अपराह्न 3 बजे तक जमा किए जा सकते हैं। निर्धारित समय के बाद प्राप्त प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। योजना एवं निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है।

विभागीय जांच के नियमों पर बीईओ व प्राचार्यों को दिया गया प्रशिक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

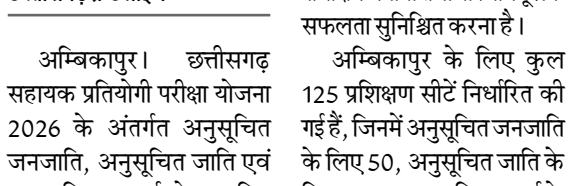


अम्बिकापुर। विभागीय जांच की प्रक्रिया एवं नियमों की जानकारी देने और जांच प्रकरणों का नियमानुसार निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभाकक्ष में एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिले के सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं 35 प्राचार्य शामिल हुए।प्रशिक्षण के दौरान सेवानिवृत्त प्राचार्य संजय सिंह एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर, जिला सूरजपुर के प्राचार्य आशीष भट्टाचार्य ने विभागीय जांच की प्रक्रिया, नियमों एवं विभिन्न चरणों के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया।कार्यशाला में आरोप पत्र में उल्लेखित बिन्दुओं का परीक्षण, अभिलेख एवं दस्तावेजों का संकलन, साक्ष्यों की जांच, संबंधित पक्षों के कथन दर्ज करने तथा जांच प्रतिवेदन तैयार करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 एवं संबंधित सेवा नियमों के प्रावधानों की जानकारी दी गई। विषय विशेषज्ञों ने प्रारंभिक जांच, निर्धारित नियमों के अनुरूप विभागीय कार्यवाही, आरोपों का साक्ष्य आधारित परीक्षण, अभिलेखों का विधिवत संधारण, निष्पक्षता के साथ साक्ष्यों एवं कथनों की जांच तथा समय-सीमा में त्रुटिरहित जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। लंबित विभागीय जांच प्रकरणों के प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण पर भी विशेष जोर दिया गया।

कार्यशाला के अंत में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभागीय जांच की प्रक्रिया को गंभीरता से समझने तथा किसी भी प्रकार की शंका का विषय विशेषज्ञों के माध्यम से समाधान प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विभागीय कार्यवाही में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए नियमों के प्रभावी पालन को बढ़ावा देना है।

उत्तर क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



अंबिकापुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर में तीन दिवसीय उत्तर क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेल-कूद प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ 22 नवंबर 2026 को महाविद्यालय के खेल मैदान में उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। प्रतियोगिता 22 से 24 नवंबर तक आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पी.एस. दीवान, संयुक्त एवं उप संचालक कृषि, सरगुजा तथा विशिष्ट अतिथि रामकुमार सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी, सरगुजा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एस. के. सिन्हा, अधिष्ठाता, राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर ने की। इस अवसर पर डॉ. के. एल. पैकरा, सह-संचालक अनुसंधान, डॉ. पी. के. भगत, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख आलू अनुसंधान केंद्र मैनपाट, तथा डॉ. जी. पी. पैकरा, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, शंकरगढ़ भी उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना का विकास करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में विभिन्न कृषि महाविद्यालयों के विद्यार्थी विभिन्न खेल स्पधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आपसी सहयोग एवं खेल भावना को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। आयोजन के सफल संचालन में क्रीड़ा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार नायक एवं कृषि सांख्यिकी की प्राध्यापक डॉ. नीलम चौकसे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

द्विफसलीय योजना के तहत 10 किसानों को मिला निशुल्क गेहूं बीज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



बैकुंठपुर। हल्की बारिश के बीच कलेक्टर श्रीमती रोक्तमिा यादव एवं जिला पंचायत सीईओ योगेंद्र श्रीवास की उपस्थिति में कृषि विभाग द्वारा जनपद पंचायत बैकुंठपुर के ग्राम आंजोखुर्द में द्विफसलीय क्षेत्र विस्तार प्रदर्शन योजना के अंतर्गत 10 किसानों को निशुल्क गेहूं बीज वितरण एवं बुवाई सीड ड्रिल कम फर्टिलाइजर मशीन के माध्यम से किया गया। प्रत्येक बोरी में 40 किलोग्राम बीज था। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने किसानों से सीधे संवाद किया। उन्होंने किसानों को समय पर बुवाई, उन्नत किस्म के बीज के उपयोग, संतुलित उर्वरक प्रबंधन और सिंचाई के महत्व के बारे में जानकारी दी। कलेक्टर ने कहा कि द्विफसलीय क्षेत्र विस्तार योजना का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और खाली पड़े खेतों में दूसरी फसल लेना है। इससे किसानों को साल भर रोजगार मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने किसानों से योजना का लाभ उठाकर गेहूं की अच्छी पैदावार लेने का आह्वान किया।

जिला पंचायत सीईओ योगेंद्र श्रीवास ने भी किसानों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि कृषि विभाग के अधिकारी गांव-गांव जाकर किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन देंगे, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस दौरान उप संचालक कृषि रामचंद्र भगत ने बताया कि प्रदर्शन योजना के तहत चयनित किसानों को निशुल्क बीज के साथ-साथ बुवाई के लिए आधुनिक मशीन भी उपलब्ध कराई जा रही है। सीड ड्रिल कम फर्टिलाइजर मशीन से बुवाई करने पर बीज और खाद एक समान गहराई पर गिरते हैं, जिससे अंकुरण अच्छा होता है और उत्पादन में वृद्धि होती है। कृषि वैज्ञानिक विजय आनंद ने किसानों को गेहूं की उन्नत किस्मों, बीज उपचार, खाद की मात्रा और कीट-रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य राजेश साहू, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीमती वंदना सिंह श्याम, कृषि विकास अधिकारी ठाकुर प्रसाद पावले, अरुण मिश्रा आत्मा योजना प्रभारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती धात्री सिंह, टीएस परस्ते, कुलदीप कुशवाहा, रवि शंकर साहू, आंजोखुर्द के सरपंच, पंच एवं काफी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे। ग्रामवासियों ने बारिश के बीच गांव पहुंचकर किसानों से मिलने और बीज वितरण करने पर कलेक्टर एवं कृषि विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

एशिया पेसिफिक इकोनामिक कोऑपरेशन (एपीईसी) के हाल ही में संपन्न हुए 33वें शिखर सम्मेलन को लेकर चर्चाएं गर्म हैं। ज्वाइंट डिक्लेरेशन में वैश्विक चुनौतियों का एकजुट होकर मुकाबला करने की उद्घोषणा की गई। सम्मेलन में जहां परमाणु युद्ध के अत्यंत विनाशकारी खतरे के प्रति चेतावनी प्रस्तुत की गई वहीं, समाप्त हो रही परमाणु अप्रसार संधि पर भविष्य में बातचीत जारी रखने की उद्घोषणा की गई है। हालांकि, सम्मेलन के पटल पर यूक्रेन युद्ध और ईरान युद्ध को खत्म करने के लिए कोई ठोस योजना विश्व के समक्ष प्रस्तुत नहीं की जा सकी। उधर, जेलेंस्की के सामने सबसे बड़ी चुनौती युद्ध समाप्त करने और देश की संप्रभुता बचाने के बीच संतुलन बनाने की है। यहां उल्लेखनीय है कि एशिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति भारत को अभी तक एपीईसी का सदस्य देश नामित नहीं किया गया है। अमेरिका और रूस ताल्लुकात में बुनियादी सुधार भारत के लिए निसंदेह लाभकारी सिद्ध हो सकता है, लेकिन अमेरिका यदि चीन के साथ कोई निर्णायक समझौता कर लेता है तो यह भारत के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हितों के विरूद्ध सिद्ध हो सकता है,क्योंकि चीन की विस्तारवादी फितरत के कारणवश भारत का चीन के प्रति अविश्वास कायम बना हुआ है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

शांति के लिए परमाणु हथियारों का विरोध



विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

वरिष्ठ स्तंभकार

एपीईसी शिखर सम्मेलन को वर्तमान दौर का अत्यंत महत्वपूर्ण कूटनीतिक सम्मेलन करार दिया जा रहा है। प्रबल प्रश्न उपस्थित है कि आखिरकार एपीईसी शिखर सम्मेलन की वास्तविक उपलब्धियां क्या कुछ रही हैं अथवा यह शिखर सम्मेलन शानदार और लोकलुभावन उद्घोषणाओं तक ही सिमट कर रह गया? एपीईसी शिखर सम्मेलन की पहली उपलब्धि रही कि विश्व पटल के तीन शक्तिशाली देशों के सर्वोच्च लीडर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग वैश्विक कूटनीति की कुटिल बिसात पर आमने-सामने आकर बैठ गए और फिर तीनों लीडरों द्वारा वैश्विक चुनौतियों पर एपीईसी शिखर सम्मेलन में 90 मिनट तक विचार-विमर्श भी कर लिया गया।

एशिया पेसिफिक इकोनामिक कोऑपरेशन (एपीईसी) का दो दिवसीय 33वां शिखर सम्मेलन चीन के नगर शेन्जेन में संपन्न हो गया। एपीईसी शिखर सम्मेलन को वर्तमान दौर का अत्यंत महत्वपूर्ण कूटनीतिक सम्मेलन करार दिया जा रहा है। प्रबल प्रश्न उपस्थित है कि आखिरकार एपीईसी शिखर सम्मेलन की वास्तविक उपलब्धियां क्या कुछ रही हैं अथवा यह शिखर सम्मेलन शानदार और लोकलुभावन उद्घोषणाओं तक ही सिमट कर रह गया? एपीईसी शिखर सम्मेलन की पहली उपलब्धि रही कि विश्व पटल के तीन शक्तिशाली देशों के सर्वोच्च लीडर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग वैश्विक कूटनीति की कुटिल बिसात पर आमने-सामने आकर बैठ गए और फिर तीनों लीडरों द्वारा वैश्विक चुनौतियों पर एपीईसी शिखर सम्मेलन में 90 मिनट तक विचार-विमर्श भी कर लिया गया। दूसरी उपलब्धि रही कि ज्वाइंट डिक्लेरेशन के साथ एपीईसी का शिखर सम्मेलन बाकायदा समाप्त हो गया।

ज्वाइंट डिक्लेरेशन में वैश्विक चुनौतियों का एकजुट होकर मुकाबला करने की उद्घोषणा की गई। परमाणु युद्ध के अत्यंत विनाशकारी खतरे के प्रति चेतावनी प्रस्तुत की गई। समाप्त हो रही परमाणु अप्रसार संधि पर भविष्य में बातचीत जारी रखने की उद्घोषणा की गई। शिखर सम्मेलन में यह भी ऐलान किया गया कि यदि भविष्य में परमाणु युद्ध अंजाम दिया गया तो फिर निश्चित तौर पर सभी का संपूर्ण विनाश हो जाएगा और किसी भी पक्ष की जीत संभव नहीं हो सकेगी। अतः परमाणु युद्ध कदाचित होना ही नहीं चाहिए। वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति के लिए एपीईसी शिखर सम्मेलन में ऊर्जा उत्पादन में उच्च स्तर तक वृद्धि करने और ऊर्जा के समुचित वितरण की बात पेश की गई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बुनियादी सुधारों को अंजाम देने का संकल्प व्यक्त किया गया। अमेरिका के बड़बोले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरमा दिया कि एपीईसी शिखर सम्मेलन में अमेरिका, रूस और चीन मिलकर इतिहास निर्मित कर रहे हैं। यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा कि सम्मेलन के माध्यम से कौन सा इतिहास निर्मित कर दिया जाएगा। अमेरिका के मिडटर्म पोल में बुरी तरह से परास्त हुए डोनाल्ड ट्रंप अब विश्व पटल पर कोई इतिहास रचने लायक नहीं रह गए हैं। बिना किसी ठोस योजना के विश्व शांति स्थापित करने की सदाशयता और स्वप्निल कामनाओं के साथ 33 वां एपीईसी शिखर सम्मेलन का समापन हो गया। एपीईसी शिखर सम्मेलन के पटल पर यूक्रेन युद्ध और ईरान युद्ध को खत्म करने के लिए कोई ठोस योजना विश्व के समक्ष प्रस्तुत नहीं की जा सकी। यहां तक कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने तो यूक्रेन के साथ सुलह समझौते की कोई बातचीत करने से भी इनकार कर दिया। वैश्विक कूटनीति के विकट विडंबना का दीदार कीजिए कि वर्तमान दौर में यूक्रेन युद्ध का आग़ाज़ करने वाले रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन और ईरान युद्ध को अंजाम देने वाले अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एपीईसी शिखर सम्मेलन में विनाशकारी युद्धों के विरुद्ध विश्व शांति का पैगाम देते हुए नजर आए। कूटनीति के कुछ जानकार एपीईसी के शिखर सम्मेलन की तुलना सन 1945 में सोवियत रूस के क्रीमिया में आयोजित हुए याल्टा सम्मेलन से कर रहे हैं।



भारत के लिए बनी सबसे विकट चुनौती

रूस ,अमेरिका और चीन के त्रिकोणीय कूटनीतिक समीकरण का उद्देश्य रूस को फिर से एक विश्व शक्ति के तौर पर स्थापित करना है, ताकि यूक्रेन पर रूस के पक्ष में समझौता सुनिश्चित कराया जा सके और चीन पर भी रूस की निर्भरता को कम किया जा सके। राष्ट्रपति पुतिन अमेरिका के साथ समझौता करके रूस के लिए आर्थिक अवसरों का मार्ग प्रशस्त करना चाहते हैं। राष्ट्रपति पुतिन पहले रूस, भारत और चीन के मध्य गठबंधन के प्रबल समर्थक रहे थे। लेकिन राष्ट्रपति पुतिन को अमेरिका और चीन के साथ एकजुट होकर इस नए शक्ति समूह में रूस के लिए कुछ अधिक संभावनाएं प्रतीत हो रही हैं। भारत के लिए हितकारी है यदि भविष्य में अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ रूस के रिश्ते सुधर जाते हैं।

रूस की चीन पर यदि निर्भरता कम हो जाती है तो निश्चित तौर पर यह भारत के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। वर्तमान दौर में भारत के लिए सबसे विकट चुनौती प्रस्तुत है कि अमेरिका, रूस और चीन के मध्य बदलते हुए कूटनीतिक समीकरणों के दौर में भारत अपने रणनीतिक हित, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव की कैसे हिफाजत कर पाता है।

याल्टा सम्मेलन से की जा रही एपीईसी की तुलना

याल्टा सम्मेलन में भी दूसरे विश्व युद्ध के विजेता देशों के तीन अत्यंत शक्तिशाली सर्वोच्च लीडर रूस के प्रधानमंत्री कॉमरेड जोसेफ स्टालिन, अमेरिकन राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूजवेल्ट और इंग्लैंड के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल एक कूटनीतिक मेज पर यूरोप में अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र का बाकायदा बंटवारा की खातिर एक साथ बैठे थे। गहराई से विवेचना की जाए तो दोनों शिखर सम्मेलनों के बीच कोई बुनियादी समानता प्रतीत नहीं हो रही है। याल्टा सम्मेलन एक ठोस योजना और पुख्ता उपलब्धि के साथ समाप्त हुआ था, किंतु एपीईसी शिखर सम्मेलन केवल महान उद्घोषणाओं के साथ और कोई भी ठोस योजना प्रस्तुत किए बिना ही समाप्त हो गया। बस एक समानता प्रतीत होती है जो कि दोनों शिखर सम्मेलनों के मध्य है कि सन 1945 के ऐतिहासिक दौर के विश्व के तीन सबसे शक्तिशाली राष्ट्रों के सर्वोच्च लीडर याल्टा सम्मेलन में एक साथ कूटनीतिक बिसात पर बैठे थे और एपीईसी शिखर सम्मेलन में भी वर्तमान दौर के तीन सबसे शक्तिशाली देशों के सर्वोच्च लीडर एक साथ कूटनीतिक विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ विराजमान हो गए। कथित तौर पर एपीसी शिखर सम्मेलन का मकसद एशिया पेसिफिक क्षेत्र के देशों में घनिष्ठ सहयोग विकसित करना घोषित किया गया था। रूस के राष्ट्रपति पुतिन के लिए तो एपीसी शिखर सम्मेलन वस्तुतः सबसे बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि रहा, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति पुतिन का वैश्विक स्तर पर जो आर्थिक और कूटनीतिक अलगाव जारी रहा था, उसका तो एपीईसी शिखर सम्मेलन में यकीनन अंत हो गया है। विश्व स्तर पर राष्ट्रपति पुतिन और रूस को अलग-थलग करने की पश्चिमी राष्ट्रों की समस्त कोशिशें नाकाम सिद्ध हो गई हैं। पश्चिमी राष्ट्रों द्वारा रूस पर वैश्विक स्तर पर कठोर आर्थिक प्रतिबंधों का ऐसा जबरदस्त दबाव कायम किया गया, जैसा पहले इतिहास में कभी नहीं देखा गया। सन 2022 के हालात पर एक दृष्टिपात कीजिए, यूक्रेन पर रूस द्वारा बड़े पैमाने पर आक्रमण अंजाम दिया गया, फिर उसके बाद तो राष्ट्रपति पुतिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एकदम ही अलग-थलग पड़ गए।



पश्चिमी देशों के राष्ट्राध्यक्ष यूक्रेन युद्ध को लेकर राष्ट्रपति पुतिन और रूस का बॉयकॉट करने पर आमादा हो गए। किंतु सन 2026 में पुतिन द्वारा वैश्विक स्तर के एक ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन में शिरकत अंजाम दी गई है। वर्तमान इतिहास में त्रिपक्षीय मीटिंग के लिए पहली दफा चीन, रूस और अमेरिका के सर्वोच्च लीडर कूटनीतिक बातचीत के लिए 90 मिनट तक एक साथ बंद कमरे में विराजमान हो गए। राष्ट्रपति पुतिन को एपीईसी शिखर सम्मेलन में शिरकत करने के बाद स्वयं को वैश्विक स्तर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र का लीडर सिद्ध करने में अब कोई दिक्कत पेश नहीं आएगी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वालोदिमिर जेलेंस्की और यूरोप के लीडरों को विश्व के तीन ताकतवर देशों के लीडरों का कूटनीतिक मिलन निश्चित रूप से पसंद नहीं आया है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अपनी शर्तों पर समझौता चाहते हैं, जो कि निकट भविष्य में संभावित प्रतीत नहीं हो रहा है। इस स्थिति को केवल कूटनीतिक विडंबना निरूपित किया जाएगा कि अभी तक एशिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति भारत को एपीईसी का सदस्य देश नामित नहीं किया गया है। जबकि भारत विगत दो दशक से एपीईसी की सदस्यता हासिल करने की निरंतर कोशिशें करता रहा है। एपीईसी के महत्वपूर्ण देशों में अमेरिका वस्तुतः भारत की एपीईसी सदस्यता का सबसे बड़ा विरोधी देश रहा। अमेरिका ने भारत के प्रति अपनी हिमायत को इस शर्त के साथ संबद्ध कर दिया कि भारत विश्व व्यापार संगठन - डब्ल्यूटीओ में अमेरिका समर्थक रुख अख्तियार करे।

अमेरिका के साथ भारत अपने द्विपक्षीय विवादों को पहले सुलझाए। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने एपीईसी में भारत की सदस्यता का समर्थन किया था, किंतु फिर भी भारत की एपीईसी में सदस्यता का प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका। सन 1989 में एपीईसी की बुनियाद 12 देशों द्वारा रखी गई थी। एपीईसी के प्राथमिक सदस्य देश रहे थे, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया ब्रुनेई, कनाडा, इंडोनेशिया, जापान दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड। एपीईसी के वैंकूवर सम्मेलन में रूस, वियतनाम और पेरू को एपीईसी का सदस्य बनाया गया। वैंकूवर सम्मेलन में ही आगामी 10 वर्षों के लिए किसी भी देश को सदस्यता प्रदान करने पर प्रतिबंध आयद कर दिया गया था। इस वक्त कुल मिलाकर एपीईसी के 21 सदस्य देश हैं। रूस, अमेरिका और चीन की बैठक को मद्देनजर रखते हुए आरआईसी अर्थात रूस, भारत और चीन का प्रस्तावित त्रिकोण गठबंधन पीछे छूटता हुआ प्रतीत हो रहा है। रूस निरंतर आरआईसी के प्रस्ताव को पुनः सक्रिय करने की पेशकश कर रहा है। लेकिन भारत ने आरआईसी के प्रति अभी तक अपनी कोई स्पष्ट प्रतिबद्धता प्रकट नहीं की है। वस्तुतः भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीति पर निरंतर कायम बने रहना चाहता है। किसी भी सैन्य गठबंधन में भारत कदाचित शामिल नहीं होना चाहता है। भारत के लिए गुटनिरपेक्ष विदेश नीति से फायदे और नुकसान दोनों ही रहे हैं। अमेरिका और रूस ताल्लुकात में बुनियादी सुधार भारत के लिए निसंदेह लाभकारी सिद्ध हो सकता है। लेकिन अमेरिका यदि चीन के साथ कोई निर्णायक समझौता कर लेता है तो यह भारत के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हितों के विरूद्ध सिद्ध हो सकता है,क्योंकि चीन की विस्तारवादी फितरत के कारणवश भारत का चीन के प्रति अविश्वास कायम बना हुआ है।

रूस के प्रख्यात कूटनीतिज्ञ आंद्रेई कोर्तुनेव का विचार है कि एपीईसी शिखर सम्मेलन ने फिर से सिद्ध कर दिखाया है कि रूस अब भी दुनिया की प्रमुख शक्तियों में शुमार है। राष्ट्रपति पुतिन के प्रवक्ता पेसकोव ने फरमाया है कि किसी भी राष्ट्र को दुनिया पर अपनी व्यवस्था थोपने की कोशिश कदाचित नहीं करनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के कुछ अन्य विशेषज्ञों का विचार है कि राष्ट्रपति पुतिन अब आरआईसी के प्रस्तावित त्रिकोणीय गठबंधन को पीछे छोड़कर भविष्य में अमेरिका, रूस और चीन के मध्य एक त्रिकोणीय कूटनीतिक समीकरण स्थापित करना चाहते हैं।

आक्रामक विदेश नीति से पुतिन बने खास



मंथन

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग यानी एपेक की चीन के शहर शेनजेन में हुई शिखर बैठक वैश्विक परिघटना तो है ही, लेकिन इस बैठक के हिस्से एक और खासियत जुड़ गई है। इस दौरान तीन शीर्ष आर्थिक और सामरिक शक्तियों यानी अमेरिका, चीन और रूस के शिखर नेतृत्व का एक साथ आना भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। वहीं, यूक्रेन युद्ध के चलते अमेरिका की आंख की किरकिरी रहे रूसी राष्ट्रपति पुतिन की ओर इस बार सबका ध्यान रहा।

पुतिन से चीन की नजदीकी तो पहले से ही है, लेकिन इस बार अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भी उनके साथ सहज दिखने और होने का प्रयास करते नजर आए। इसे पुतिन की आक्रामक विदेश नीति की सफलता के तौर पर देखा जाना स्वाभाविक है। अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के कुछ महीने पहले तक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप रूसी कच्चे तेल के आयात को लेकर भारत और चीन को धमकाते रहे। उन्होंने दोनों देशों के खिलाफ टैरिफ युद्ध भी छेड़ दिया। इससे चीन का अमेरिकी निर्यात घटा। चीन भले ही खुलकर स्वीकार न कर रहा हो, लेकिन अमेरिकी टैरिफ हमले के बाद चीन की फैक्टरियों के माल की मांग घट गई है। इसकी वजह से उन्हें अपना उत्पादन घटाना पड़ा। इसके चलते चीन में बेरोजगारी भी बढ़ी है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने को लेकर वैश्विक दबाव बनाने की कोशिश जारी रखी। इसके बावजूद चीन ने रूस से कच्चे तेल का आयात जारी रखा। चूंकि वैश्विक तेल बाजार के लिहाज से रूसी कच्चा तेल सस्ता है, लिहाजा सिर्फ चीन ही नहीं, भारत ने भी वहां से तेल का आयात जारी रखा। तेल की कीमतों पर ओपेक देश नियंत्रण रखते हैं। लेकिन रूस इस नियंत्रण से खुद को बाहर रखे हुए है। चूंकि यूक्रेन से युद्ध के चलते रूस पर आर्थिक दबाव बना हुआ है। ऐसे में रूस को आर्थिक जरूरतों के लिए अपने तेल को वैश्विक बाजार की तुलना में सस्ती दरों पर आपूर्ति करना ही था। दुनिया की तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और हथियार निर्यातकों से मिल रहे सहयोग की बदौलत ही यूक्रेन की सेनाएं दुनिया के दूसरे नंबर की सैनिक ताकत रूस का मुकाबला कर पा रही हैं। इस लिहाज से देखें तो पुतिन परोक्ष रूप से पूरे यूरोप का मुकाबला कर रहे हैं। यूक्रेन को अमेरिका का भी सहयोग रहा है। लेकिन वही अमेरिका अगर पुतिन के साथ शेनजेन में मंच साझा करने को मजबूर हुआ है तो निश्चित रूप से इससे पुतिन की ताकत और अहमियत का संकेत मिलता है। नवंबर के पहले हफ्ते में हुए अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के दोनों सदनों में बहुमत गंवाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का सुर बदला नजर आ रहा है। जिस रूसी राष्ट्रपति को कभी वे झुकाने की कोशिश करते थे, जिस रूस से तेल आयात करने वाले देशों को ट्रंप धमकाते रहते थे, उसी रूस के राष्ट्रपति के साथ वे गलबहियां करते दिख रहे हैं। इसका यह मतलब नहीं है कि यूक्रेन संकट और वैश्विक शक्ति संतुलन की चुनौतियां खत्म हो गई हैं।

चीन के शेनजेन में आयोजित अपेक शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सक्रियता और वैश्विक नेताओं के साथ उनकी बैठकों को लेकर वैश्विक मंच पर उनकी भूमिका को लेकर नई चर्चाएं भी उनकी अहमियत को ही दर्शाती हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, रूस को फिर से प्रमुख महाशक्तियों के समूह में शामिल करने की ट्रंप की कोशिश और पुतिन को अपना 'दोस्त' बताने से रूस को अलग-थलग करने की कोशिशें एक तरह से ध्वस्त हो गई हैं।

वैश्विक स्तर पर पुतिन की स्वीकार्यता और महत्ता स्थापित करने के पीछे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में रूस का बढ़ता व्यापार भी एक बड़ा कारण बनकर उभरा है। ट्रंप की सोच में आ रहे बदलाव और वैश्विक मंचों पर पुतिन को अहमियत देने की एक वजह उन्हें अमेरिका में घरेलू मोर्चे पर खुद को प्रभावी दिखाने की कोशिश भी मानी जा रही है। वे अमेरिकी जनता को दिखाना चाहते हैं कि वैश्विक शांति और अमेरिकी कारोबार को बढ़ावा देने के लिए दुनिया के बड़े देशों से हाथ मिला रहे हैं। कह सकते हैं कि इन सारी वजहों की वजह से पुतिन इन दिनों पश्चिम की नजर में ज्यादा अहम हो गए हैं। यूक्रेन से युद्ध रोकने को लेकर वे वैश्विक स्तर पर बातचीत भी कर रहे हैं और दूसरी तरफ कीव पर अंधाधुंध हमला करके यूरोप और अमेरिका को अपनी ताकत और महत्व का अहसास भी करा रहे हैं।



अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के दोनों सदनों में बहुमत गंवाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का सुर बदला नजर आ रहा है। जिस रूसी राष्ट्रपति को कभी वे झुकाने की कोशिश करते थे, जिस रूस से तेल आयात करने वाले देशों को ट्रंप धमकाते रहते थे, उसी देश के राष्ट्रपति के साथ वे गलबहियां करते दिख रहे हैं।

जेलेंस्की के लिए राह आसान नहीं



शिखर बैठक

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

कहते हैं, दुनिया की राजनीति में दोस्ती और दुश्मनी के मायने स्थायी नहीं होते। कल तक जो देश एक-दूसरे के विरोधी नजर आते थे, वे अपने हितों के लिए एक मेज पर बैठ सकते हैं। कुछ ऐसा ही नजारा हाल ही में चीन के शेनझेन शहर में देखने को मिला, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ऐतिहासिक त्रिपक्षीय मुलाकात हुई। तीनों नेताओं ने शांति, परमाणु हथियारों के खतरे को कम करने और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में सुधार जैसे मुद्दों पर सहमति जताई। लेकिन इस बैठक के संयुक्त बयान में यूक्रेन युद्ध का कोई उल्लेख नहीं था। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या दुनिया की इन तीन बड़ी शक्तियों की बढ़ती नजदीकी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के लिए खतरे की घंटी है?

डिप्लोमसी के जानकार मानते हैं कि इस मुलाकात का महत्व केवल तीन राष्ट्राध्यक्षों के एक साथ बैठने तक सीमित नहीं है। इसके पीछे बदलते वैश्विक समीकरणों की झलक भी दिखाई देती है। रूस यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझा हुआ है। अमेरिका और यूरोप ने यूक्रेन को सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक मदद दी है। दूसरी ओर, चीन ने रूस के साथ अपने आर्थिक और रणनीतिक संबंध मजबूत बनाए रखे हैं। अब जब अमेरिका भी रूस के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप शुरू से ही यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की बात करते रहे हैं। उनकी प्राथमिकता युद्ध को जल्द खत्म कराना और अमेरिका के संसाधनों पर पड़ रहे बोझ को कम करना है। लेकिन शांति समझौते की शर्तें क्या होंगी, यह सबसे बड़ा सवाल है। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि चीन और रूस के साथ संबंधों में तनाव कम हो और परमाणु हथियारों की होड़ पर बातचीत आगे बढ़े। इसके लिए रूस के साथ संवाद जरूरी माना जा रहा है। चीन इस पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। रूस के साथ उसके व्यापारिक और रणनीतिक संबंध मजबूत हैं। पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद चीन रूस के लिए एक बड़ा आर्थिक साझेदार बना हुआ है। हालांकि, चीन स्वयं को शांति का समर्थक बताता है और उसने कई बार यूक्रेन संकट के राजनीतिक समाधान की बात भी की है। लेकिन चीन के सामने भी अपने हित हैं। वह नहीं चाहेगा कि रूस पूरी तरह कमजोर हो जाए और अमेरिका वैश्विक राजनीति में और अधिक प्रभावशाली बन जाए। साथ ही, चीन अमेरिका के साथ व्यापार, तकनीक और सुरक्षा से जुड़े विवादों को भी नियंत्रित रखना चाहता है। इसलिए शेनझेन की बैठक को केवल रूस और अमेरिका की दोस्ती के रूप में देखना सही नहीं होगा। यह तीनों देशों के अपने-अपने रणनीतिक हितों का मेल भी है। इस पूरे घटनाक्रम में यूरोप की स्थिति सबसे दिलचस्प है। ऊर्जा संकट, शरणार्थियों की समस्या, रक्षा खर्च में बढ़ोतरी और रूस के साथ सुरक्षा संबंधी तनाव ने यूरोप को लगातार प्रभावित किया है। ऐसे में यूरोपीय देश नहीं चाहते कि यूक्रेन के भविष्य का फैसला वाशिंगटन, मॉस्को और बीजिंग में बैठकर किया जाए। जेलेंस्की के सामने सबसे बड़ी चुनौती युद्ध समाप्त करने और देश की संप्रभुता बचाने के बीच संतुलन बनाने की है।

यूक्रेन की जनता ने भारी कीमत चुकाई है। हजारों लोगों की जान गई है, शहर तबाह हुए हैं और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। ऐसे में केवल युद्धविराम के नाम पर जमीन छोड़ना जेलेंस्की के लिए आसान नहीं होगा। दूसरी ओर, यूक्रेन को हथियारों, आर्थिक मदद और सुरक्षा के लिए पश्चिमी देशों की जरूरत है। चीन, अमेरिका और रूस की नजदीकी से वैश्विक राजनीति में नए समीकरण बन सकते हैं, लेकिन इसे स्थायी दोस्ती मान लेना जल्दबाजी होगी। तीनों देशों के हित अनेक मुद्दों पर अलग-अलग हैं। परमाणु हथियारों, व्यापार, ताइवान, ऊर्जा और वैश्विक प्रभाव को लेकर उनके बीच मतभेद बने हुए हैं। फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती यह है कि शांति की कोशिशें यूक्रेन की संप्रभुता और यूरोप की सुरक्षा को कमजोर किए बिना आगे बढ़ें। आखिरकार, दुनिया की बड़ी शक्तियों की दोस्ती का असली इम्तिहान इस बात से होगा कि वे केवल अपने हितों की रक्षा करती हैं या छोटे और कमजोर देशों की स्वतंत्रता का सम्मान भी करती हैं।



ट्रंप प्रशासन चाहता है कि चीन और रूस के साथ संबंधों में तनाव कम हो और परमाणु हथियारों की होड़ पर बातचीत आगे बढ़े। इसके लिए रूस के साथ संवाद जरूरी माना जा रहा है। चीन इस पूरे घटनाक्रम में महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। रूस के साथ उसके व्यापारिक और रणनीतिक संबंध मजबूत हैं।

खबर संक्षेप

अलप्पुझा में कांग्रेस कार्यकर्ता समेत 5 अरेस्ट

अलप्पुझा (केरलम)। केरलम के अलप्पुझा जिले के मक्केकावला में युवा कांग्रेस के एक स्थानीय



कार्यकर्ता समेत पांच लोगों को 11.6 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। ये सभी थाइकट्टुस्सेरी के निवासी हैं।

एससीओ सभ्यता संवाद मंच से बोले केंद्रीय मंत्री शेखावत

हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत व परंपराएं एससीओ देशों को जोड़ेंगी

आयोजन में विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया देशों में बढ़ रहीं नजदीकियां

'पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यता संवाद मंच' के दूसरे दिन कई सत्रों का आयोजन हुआ। इन सत्रों में सभ्यताओं की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों पर विचार मंथन किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की मेजबानी में नई दिल्ली में 20 से 22 नवंबर को आयोजित 'पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यता संवाद मंच' के दूसरे दिन कई सत्रों का आयोजन हुआ। इन सत्रों में सभ्यताओं की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों, कला एवं वास्तुकला में साझा विरासत तथा ऐतिहासिक व्यापारिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित किया। इन सत्रों में एससीओ सदस्य देशों एवं संवाद भागीदार देशों के मंत्री, वरिष्ठ प्रतिनिधि, शिक्षाविद, इतिहासकार तथा कला और संस्कृति के विशेषज्ञ एक साथ आए। दिनभर चली चर्चाओं में सांस्कृतिक आदान-प्रदान, साझा कलात्मक परंपराओं और विभिन्न सभ्यताओं के बीच ऐतिहासिक संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विचार व्यक्त किए।

दूसरे दिन सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों, कला, वास्तुकला तथा ऐतिहासिक व्यापार संबंधों पर चर्चा की

कई देशों के मंत्री, वरिष्ठ प्रतिनिधि भी पहुंचे

शिक्षाविद, इतिहासकार तथा कला और संस्कृति के विशेषज्ञ रहे शामिल



शेखावत ने पहले-दूसरे सत्र की अध्यक्षता की

शेखावत ने कार्यक्रम के दूसरे दिन 'सभ्यतागत एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां' विषय पर पहले और दूसरे संयुक्त सत्रों की अध्यक्षता करते हुए कहा कि ऐतिहासिक संबंधों ने देशों को एक-दूसरे के करीब लाने में अहम भूमिका निभाई है। समझ, विश्वास को बढ़ावा देने में सांस्कृतिक सहयोग जरूरी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मेलन का उद्घाटन किया था। इसका उद्देश्य एससीओ सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करना, साझा सभ्यतागत विरासत के माध्यम से आपसी समझ एवं सहयोग को बढ़ावा देना तथा सांस्कृतिक संवाद के लिए नए अवसर उत्पन्न करना है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र इस आयोजन का नॉलेज पार्टनर है।

विदेश मंत्रालय ने सारांश प्रस्तुत किया

विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के लिए राष्ट्रीय समन्वयक, आलोक डिमरी ने पहले सत्र के दौरान हुई चर्चाओं का सारांश प्रस्तुत किया। एससीओ के दृष्टिकोण से अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट रूप से सामने आया है कि अब इस संगठन को अपनी सुरक्षा-केंद्रित सोच से आगे बढ़ने की आवश्यक्ता है। उन्होंने बताया कि चर्चाओं के दौरान कई साझा विषय र सामने आए, जिनमें सांस्कृतिक नेटवर्क, जलवायु, युवा, डिजिटलीकरण और संयुक्त परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि चर्चाओं में इस बात पर बल दिया गया कि संस्कृति को राज्य और सरकारी संस्थानों के दायरे से आगे बढ़ाकर लोगों के करीब लाया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह मंच दिलों एवं विचारों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

वैदिक प्रार्थना की भावना की गहराई बताई

उन्होंने कहा कि आज की चर्चाएं उस शाश्वत वैदिक प्रार्थना की भावना से गहराई से जुड़ी हैं जिसका उल्लेख प्रधानमंत्री ने किया था। 'ॐ संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम।' इसका अर्थ है, आइए हम सब मिलकर चलें, मिलकर विचार-विमर्श करें और हमारे मन एक-दूसरे के साथ सामंजस्य में हों। उन्होंने कहा कि हमारी सभ्यताएं अतीत की विरासतें तक सीमित नही हैं।

संस्कृति मंत्रालय ने स्वागत भाषण दिया

संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने अपने स्वागत भाषण एवं सम्मेलन के विषयों के लिए परिचय देते हुए कहा कि 'एससीओ सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम' सदस्य देशों को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक संबंधों और साझा सभ्यतागत मूल्यों को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है, साथ ही यह विचारों के आदान-प्रदान को भी सुगम बनाता है।

इससे सभ्यतागत समझ बढ़ेगी

उन्होंने बल दिया कि संवाद, संस्थागत साझेदारी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सार्थक सहयोग के माध्यम से सामूहिक प्रयासों को आगे बढ़ाने साझा सभ्यतागत ज्ञान और विरासत का उपयोग होना चाहिए। यह मंच एससीओ के सदस्य देशों के बीच सभ्यतागत समझ को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने और आपसी जुड़ाव को मजबूत करने के लिए एक स्थायी माध्यम के रूप में उभरेगा।

चंडीगढ़ में बोले भाजपाध्यक्ष नवीन

राहुल विदेश दौरे में भारत का अपमान कर रहे, उन्हें केवल परिवार की चिंता

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़



पंजाब के चंडीगढ़ में सभा को संबोधित करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवी न ने कहा कि राहुल गांधी विदेशी दौरे में भारत का अपमान करते हैं। उन्हें सिर्फ परिवार की चिंता रहती है। ये लोग पार्ट-टाइम राजनेता हैं। ऐसे लोग इसी मिट्टी से आते हैं यहीं का खाते हैं और विदेश जाकर इसी मिट्टी का अपमान करते हैं। उन्हें भारत के विकास की गति पर दुख होता है। वे कहते हैं कि भारत की इकोनॉमी डिजास्टर हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व विदेश में जाकर भारत की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और संस्कृति को लेकर ऐसी भाषा का इस्तेमाल करता है जिससे देश का अपमान होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा विदेशी टूलकिट या इशारे पर काम नहीं करती।

आर्थिक विकास के आंकड़े भी दिए

उन्होंने कहा कि विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोषके अनुसार वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत 7.1 प्रतिशत विकास दर के साथ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 50 करोड़ परिवार गरीबी रेखा से आगे बढ़ रहे हैं और भारत मैनपावर से मैन्युफैक्चरिंग पावर बनने की ओर अग्रसर है।

हमारे कार्यकर्ता हर क्षण कार्य कर रहे

नितिन ने कहा कि लोग अक्सर पूछते हैं कि चुनाव आ गए हैं तो अब भाजपा कार्यकर्ता क्या करेंगे? लेकिन मैं हमेशा कहता हूं कि भाजपा कार्यकर्ता साल के 365 दिन, 24/7 काम करते हैं। उनके लिए चुनाव का आना या खत्म होना कोई मायने नहीं रखता। हमारे भाजपा कार्यकर्ता हमेशा जनता के बीच रहते हैं और अपने साथियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं।

वोट चोरी के दावे को पूरी तरह 'नासमझी' बताया

वोट चोरी के मुद्दे पर नितिन ने कहा कि लोग पूछते हैं, वोट कैसे चोरी हो गया? सच यह है कि वोट चोरी नहीं हुआ है। जिनकी जमीन खिसकी है, उन्हें ही लगता है कि वोट चोरी हुआ है। 13 करोड़ लोगों के नाम कटने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन13 करोड़ में से 2.8 करोड़ लोग मर चुके हैं। 6.3 करोड़ लोग बाहर जा चुके हैं। 1 करोड़ लोग डुप्लीकेट है और 3 करोड़ लोग मौजूद ही नहीं हैं?

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ /अ-20(3)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सलमा शेख पुत्री शेख मोहम्मद नसरूल्लाह पति असद अब्बास रिजवी, उम्र 65 वर्ष जाति मुसलमान निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के पास अंकन राशि रुपए 20,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07.12.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 17/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ /अ-20(3)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सलमा शेख पुत्री शेख मोहम्मद नसरूल्लाह पति असद अब्बास रिजवी, उम्र 65 वर्ष जाति मुसलमान निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर 01 मोहल्ला-केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 139/3 रकबा 0.03 एकड़ में से रकबा 698 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/क्रेता संतोष कुमार गुप्ता आ. गणेश प्रसाद गुप्ता, जाति तेली निवासी गुरुद्वारा वार्ड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक30-11-2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ /अ-20(3)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सलमा शेख पुत्री शेख मोहम्मद नसरूल्लाह पति असद अब्बास रिजवी, उम्र 65 वर्ष जाति मुसलमान निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर 01 मोहल्ला-केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 140/2 रकबा 0.021/2 एकड़ में से रकबा 698 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/क्रेता संतोष कुमार गुप्ता आ. गणेश प्रसाद गुप्ता, जाति तेली निवासी गुरुद्वारा वार्ड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक30-11-2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ /अ-20(3)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सलमा शेख पुत्री शेख मोहम्मद नसरूल्लाह पति असद अब्बास रिजवी, उम्र 65 वर्ष जाति मुसलमान निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर 01 मोहल्ला-केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 140/2 रकबा 0.021/2 एकड़ में से रकबा 698 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/क्रेता संतोष कुमार गुप्ता आ. गणेश प्रसाद गुप्ता, जाति तेली निवासी गुरुद्वारा वार्ड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक30-11-2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण लिलि पुत्री स्व० हीरालाल, सोनसाय, सुरजिना आ.स्व. हीरालाल, सभी निवासी नमनाकला, था०तह० अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है, कि आवेदकगण के पिता एवं अनावेदकगण के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, मोहल्ला मणीपुर स्थित नजूल भूमि प्लॉट नं. 4258/1 रकबा 0.31 1/2 एकड़ भूमि है। आवेदकगण के पिता हिरालाल की मृत्यु दिनांक 01.03.2014 को हो गई है एवं सह खातेदार करगी पत्नी लहरू की भी मृत्यु हो चुकी है। तद्धपरांत उक्त भूमि से मृत्तक खातेदारों का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदकगण द्वारा आवेदित भूमि के मेंटनेंस खसरा एवं मृत्तक खातेदारों के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-30/11/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 17/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/20(1)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती रेखा अगवाल आ०/ पति मदनलाल गर्ग जाति, निवासी कदमपारा, प्रतापपुर, जिला सूरजपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-जवाहर मार्केट, शीट नम्बर-1 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3/86 रकबा 4792 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 04.12.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 19.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रीता देवी पति अनिल कुमार ताम्रकार निवासी देवीगंज वार्ड 15 अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 308/14 रकबा 0.012 हे0 भूमि को अनावेदक सत्यपाल शर्मा आ०स्व० रामदयाल शर्मा निवासी डोमनही वार्ड क्रमांक 37 पो0 सोनामनी थाना चिरमिरी तहसील चिरमिरी जिला मनेन्द्रगढ चिरमिरी भरतपुर छ०ग० के पास अंकन राशि रुपए 20,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07.12.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 17/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ /अ-20(3)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सलमा शेख पुत्री शेख मोहम्मद नसरूल्लाह पति असद अब्बास रिजवी, उम्र 65 वर्ष जाति मुसलमान निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर 01 मोहल्ला-केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 139/3 रकबा 0.03 एकड़ में से रकबा 611 वर्गफीट, भूखण्ड कमांक 140/2 रकबा 0.021/2 एकड़ में से रकबा 87 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/क्रेता संतोष कुमार गुप्ता आ. गणेश प्रसाद गुप्ता, जाति तेली निवासी गुरुद्वारा वार्ड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक30-11-2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

ईश्तहार

सर्व विदित हो कि मैं ओमप्रकाश यादव आत्मज श्री मनक यादव उम्र 37 वर्ष जाती अहीर निवासी ग्राम बगहवा नर्मदापुर तहसील मैनपाठ जिला सरगुजा छ०ग० का मुल निवासी हूँ। मेरी पुत्री का सही नाम चांदनी यादय आत्मज ओमप्रकाश यादव जो उसका जन्म प्रमाण पत्र एवं अंकसूची में दर्ज हैं। उक्त आधार कार्ड में चांदमनी यादव दर्ज हो गया है। जो कि गलत है जिसका राजपत्र प्रारूप 2 के अनुसार मेरी पुत्री का नाम आधार कार्ड में चाँदनी यादव के नाम से जाना जाये।

आवेदक
ओमप्रकाश

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ /अ-20(1)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सलमा शेख पुत्री शेख मोहम्मद नसरूल्लाह पति असद अब्बास रिजवी, उम्र 65 वर्ष जाति मुसलमान निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर 01 मोहल्ला-केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 140/2 रकबा 0.021/2 एकड़ में से रकबा 698 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/क्रेता संतोष कुमार गुप्ता आ. गणेश प्रसाद गुप्ता, जाति तेली निवासी गुरुद्वारा वार्ड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक30-11-2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ /अ-20(3)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सलमा शेख पुत्री शेख मोहम्मद नसरूल्लाह पति असद अब्बास रिजवी, उम्र 65 वर्ष जाति मुसलमान निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर 01 मोहल्ला-केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 140/2 रकबा 0.021/2 एकड़ में से रकबा 698 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/क्रेता संतोष कुमार गुप्ता आ. गणेश प्रसाद गुप्ता, जाति तेली निवासी गुरुद्वारा वार्ड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक30-11-2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ /अ-20(3)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सलमा शेख पुत्री शेख मोहम्मद नसरूल्लाह पति असद अब्बास रिजवी, उम्र 65 वर्ष जाति मुसलमान निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर 01 मोहल्ला-केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 140/2 रकबा 0.021/2 एकड़ में से रकबा 698 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/क्रेता संतोष कुमार गुप्ता आ. गणेश प्रसाद गुप्ता, जाति तेली निवासी गुरुद्वारा वार्ड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक30-11-2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, अंबिकापुर सरगुजा (छ०ग०)

क्रमांक /313/ज.प्र.शा./न.पा.नि./2026 अंबिकापुर, दिनांक 18/11/2026

-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर द्वारा निकाय क्षेत्रान्तर्गत मायापुर पम्पिंग स्टेशन में स्थापित 200 केव्हीए के सब स्टेशन के ट्रांसफार्मर का सुधार/ मरम्मत कार्य हेतु राशि रुपए 2.95 लाख की निविदा आमंत्रित की गई है।

निविदा सम्बन्धी अन्य विस्तृत विवरण तथा शर्तों की जानकारी कार्यालयीन समयावधी में जल प्रदाय शाखा में एवं निगम के वेबसाईट https://www.urbanecg.gov.in & https://www.uad.cg.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर पालिक निगम
अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०/ /अ-20(3)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सलमा शेख पुत्री शेख मोहम्मद नसरूल्लाह पति असद अब्बास रिजवी, उम्र 65 वर्ष जाति मुसलमान निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर 01 मोहल्ला-केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 140/2 रकबा 0.021/2 एकड़ में से रकबा 698 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/क्रेता संतोष कुमार गुप्ता आ. गणेश प्रसाद गुप्ता, जाति तेली निवासी गुरुद्वारा वार्ड, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक30-11-2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

5 राज्यों के लिए सर्दी का अलर्ट

9 डिग्री तक लुढ़केगा पारा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



उत्तर भारत में ठंड अब तेजी से अपने तेवर दिखाने लगी है। सुबह-शाम की सिहरन लोगों को परेशान कर रही है। मौसम विभाग यानी आईएमडी की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले दिनों में ठंड का असर और गहरा हो सकता है।पंजाब से लेकर हिमाचल और ओडिशा के कुछ हिस्सों में विजिबिलिटी गिरकर 50 से 100 मीटर तक सिमटती नजर आ रही है। सड़क पर वाहन लेकर निकलने वालों को संभलकर वाहन चलाने की सलाह दी है। हिमाचल प्रदेश में ठंडी हवाओं के साथ सर्दी का जोर बढेगा। सुंदरनगर जैसे क्षेत्रों में विजिबिलिटी घटने से कोहरे का असर दिखा है।यूपी में मौसम मिला-जुला रुख दिख रहा है। पूर्वी हिस्सों में कोहरे के साथ हल्की बारिश की संभावना है। बिहार में कोहरे की चादर से सड़क और रेल आवाजाही पर असर पड़ सकता है।

सीएम रेड्डी के बयान पर तूफान

रेड्डी ने कहा 'पागल कुत्ता' तो कांग्रेस नेताओं ने ही घेर लिया

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद



तेलंगाना कांग्रेस में सीएम रेवंत रेड्डी के एक विवादित बयान पर सियासी तूफान छिड़ गया है। पार्टी के भीतर सरकार की आलोचना करने वाले नेताओं को 'पागल कुत्ते' कहने पर कांग्रेस विधायक कोमाटिरेड्डी राज गोपाल रेड्डी ने पलटवार किया है। उन्होंने सत्ता के शीर्ष पदों पर बैठे नेताओं को मर्यादा में रहकर बयान देने की नसीहत दी। साथ ही अहंकार, भ्रष्टाचार को लेकर भी निशाना साधा। रेड्डी ने गसिद्दीपेट में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पार्टी के उन नेताओं पर निशाना साधा था, जो सार्वजनिक मंचों से सरकार की आलोचना करते हैं, लेकिन निजी तौर पर सरकार की तारीफ करते हैं। रेड्डी ने किसी का नाम लिए बिना कहा, पार्टी के कुछ नेताओं को लगता है कि जैसे उन्हें 'पागल कुत्तों ने काट लिया है। उन्हें अस्पताल

विविधता में एकता ही भारत की असली ताकत, 2047 तक विकसित भारत की जिम्मेदारी युवाओं पर - अरुण साव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव से भारत सरकार के 'वंदे मातरम शिविर' के तहत छत्तीसगढ़ भ्रमण पर आए 6 राज्यों - त्रिपुरा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के 150 युवाओं ने मुलाकात की। सप्ताह भर के भ्रमण में युवा छत्तीसगढ़ की संस्कृति, कला, खानपान, इतिहास, पुरातात्विक वैभव और विकास से रू-ब-रू हुए और प्रवास के अंतिम दिन उन्होंने उप मुख्यमंत्री से अपने अनुभव साझा किए।

उपमुख्यमंत्री साव ने नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण और उसके नेतृत्व की जिम्मेदारी आज की युवा पीढ़ी पर होगी। उन्होंने कहा कि सात दिन के इस शिविर से युवा केवल अनुभव नहीं, बल्कि जीवनभर काम आने वाली अनमोल पूंजी लेकर लौट रहे हैं। सात दिनों में उन्होंने 200 दोस्त ही नहीं बनाए, बल्कि देशभर में 200 नए परिवारों से रिश्ते जोड़े हैं। यही आत्मीयता, स्नेह और आपसी जुड़ाव भारत की वास्तविक ताकत है।

श्री साव ने कहा कि भारत की विशेषता विविधता में एकता है। हर 20-25 किलोमीटर पर भाषा, खानपान और वेशभूषा बदल जाती है, फिर भी हम सब एक हैं। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना



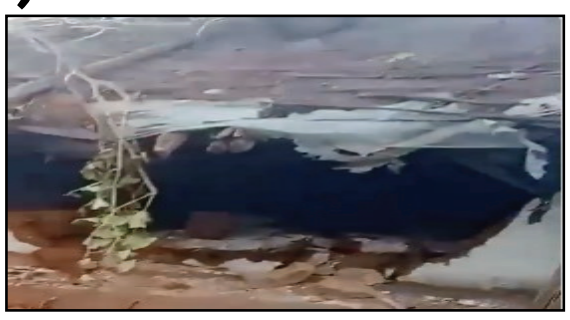
को साकार करना ही ह्यवंदे मातरम शिविरह्न का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने की सबसे बड़ी शक्ति युवा ही हैं। नई शिक्षा नीति में आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कृति, सभ्यता, संस्कार, अध्यात्म और परंपराओं के समावेश से युवाओं में अपनी विरासत के प्रति सम्मान बढ़ेगा।युवाओं को सफलता का मंत्र देते हुए उन्होंने कहा कि सफलता उसी को मिलती है, जिसमें आत्मविश्वास, धैर्य और विपरीत परिस्थितियों से मुकाबला करने का साहस हो। निराशा से घबराने के बजाय संघर्ष करके आगे बढ़ने वाला व्यक्ति ही सफल होता है। इस दौरान मेरा युवा भारत के राज्य समन्वयक अर्पित तिवारी मौजूद थे।

मेरा युवा भारत, रायपुर द्वारा 17 से 23 नवम्बर तक आयोजित सात दिवसीय शिविर में राष्ट्रप्रेम, सांस्कृतिक एकता, सामाजिक सेवा-भाव और आधुनिक जीवन-कौशल के साथ डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और उद्यमिता पर भी युवाओं को जागरूक किया गया। प्रवास के दौरान युवाओं ने राज्यपाल रमेन डेका से मुलाकात की और सिरपुर, आदिवासी संग्रहालय, शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय, पुरखौती मुक्तांकन और विधान सभा का भ्रमण किया। उन्होंने ₹सियान गुड़ी₹ (वृद्धाश्रम एवं बालिका गृह) में बुजुर्गों और बालिकाओं के साथ समय बिताया। जेठौनी तिहार (तुलसी विवाह), रंगोली प्रतियोगिता, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और खाद्य महोत्सव में विभिन्न राज्यों की संस्कृतियों और व्यंजनों से भी रूबरू हुए।

शादी समारोह के बीच पहुंचा हाथियों का दल, मची अफरा-तफरी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कवर्धा। कवर्धा जिले में एक बैगा परिवार के घर शादी की खुशियां उस वक्त दहशत में बदल गईं, जब अचानक चार हाथियों का दल गांव में पहुंच गया। शादी समारोह के लिए घर में मेहमानों की भीड़ जुटी हुई थी। इसी दौरान हाथियों ने गांव में जमकर उत्पात मचाया। दल ने बैगा परिवार के दो घरों को नुकसान पहुंचाया और शादी में आए मेहमानों के लिए रखे चावल को खा लिया। हाथियों ने चावल को जमीन पर भी बिखेर दिया। अचानक हाथियों के पहुंचने से ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। मामला कवर्धा जिले के कुकुदुर थाना क्षेत्र के केशमर्दा गांव का है। जानकारी के अनुसार, बैगा परिवार में शादी का आयोजन था। घर में रिश्तेदारों और मेहमानों



का आना-जाना लगा हुआ था। शादी की तैयारियां चल रही थीं और मेहमानों के भोजन के लिए बड़ी मात्रा में चावल रखा गया था। इसी बीच चार हाथियों का दल अचानक गांव में पहुंच गया। हाथियों को देखकर शादी समारोह में मौजूद लोगों के बीच दहशत फैल गई। किसी को संभलने का मौका नहीं मिला और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। गांव में पहुंचे हाथियों ने दो बैगा परिवारों के घरों को नुकसान पहुंचाया। इसके अलावा शादी में शामिल होने आए मेहमानों के भोजन के लिए रखा चावल भी हाथियों ने खा लिया। हाथियों ने चावल को जमीन पर बिखेरकर बर्बाद भी कर दिया। शादी वाले घर में अचानक हुए इस घटनाक्रम से परिवार की खुशियां चिंता में बदल गईं। चार हाथियों के झुंड को गांव में देखकर ग्रामीणों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। हाथियों की मौजूदगी के कारण गांव में भय का माहौल बन गया। ग्रामीण पूरी रात दहशत में रहे। ग्रामीणों के मुताबिक, पिछले करीब एक सप्ताह से इलाके में हाथियों की मौजूदगी बनी हुई है। इससे आसपास के गांवों में भी लोगों की चिंता बढ़ी हुई है। इलाके में लगातार हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग हाथियों पर नजर बनाए हुए है। शादी जैसे महत्वपूर्ण पारिवारिक आयोजन के दौरान हाथियों द्वारा दो घरों को नुकसान पहुंचाने और भोजन के लिए रखा चावल बर्बाद करने से पीड़ित परिवारों के सामने आर्थिक परेशानी खड़ी हो गई है। ऐसे में प्रभावित बैगा परिवारों को तत्काल आर्थिक राहत और उचित मुआवजा दिए जाने की जरूरत है। ग्रामीणों की अपेक्षा है कि वन विभाग और प्रशासन नुकसान का आकलन कर पीड़ित परिवारों को जल्द राहत उपलब्ध कराएं, ताकि शादी की तैयारियों के बीच उन्हें अतिरिक्त आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े।

एकलव्य विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य को मिली राहत, हाईकोर्ट ने डीईओ का आदेश किया रद्द

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण मामले में जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के संलग्नीकरण समाप्त करने के परिपत्र के आधार पर शिक्षकीय संवर्ग के कर्मचारी से प्रभारी प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार वापस लेना उचित नहीं है। कोर्ट ने 15 जुलाई 2026 का आदेश निरस्त करते हुए याचिका स्वीकार की, साथ ही विभाग को कानून के अनुसार नया आदेश जारी करने की स्वतंत्रता दी है। यह मामला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जामथान स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय से जुड़ा है। यहां प्रभारी प्राचार्य रहे राजेश कुमार शर्मा की मूल पदस्थापना शासकीय उच्चतर



माध्यमिक विद्यालय, भरतपुर में व्याख्याता के पद पर है। डीईओ ने 15 जुलाई 2026 को आदेश जारी कर उन्हें प्रभारी प्राचार्य के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर मूल पद पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए थे। याचिका में शर्मा ने तर्क दिया कि 14 जुलाई 2026 का विभागीय परिपत्र केवल गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के संलग्नीकरण समाप्त करने के लिए था, जबकि वे व्याख्याता होने के नाते शिक्षकीय संवर्ग के हैं। इसलिए वह परिपत्र उन पर लागू नहीं होता। वहीं शासन ने कहा कि डीईओ को अतिरिक्त प्रभार देने या वापस लेने का अधिकार है।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता शिक्षकीय संवर्ग के हैं और 14 जुलाई का परिपत्र गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए था। इसके बावजूद डीईओ ने उन्हें गैर-शैक्षणिक मानकर प्रभार वापस लिया, जो गलत है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एक वर्ग के लिए जारी परिपत्र को दूसरे संवर्ग पर उसी आधार पर लागू नहीं किया जा सकता।

पूर्व सांसद हुए चोटिल, गृह ग्राम से हेलिकॉप्टर में साथ लेकर आए मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ आदिवासी नेता नंदकुमार साय के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए उनके बेहतर उपचार के लिए हेलीकॉप्टर में अपने साथ रायपुर लेकर आए हैं। मुख्यमंत्री साय ने आज पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि दो दिन पहले नंदकुमार साय फिसलकर गिर गए थे, जिससे उनके पैर में चोट आई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि कल जशपुर प्रवास के दौरान उनके निवास के समीप ही एक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला था। इस दौरान वे रात में नंदकुमार



साय के निवास पहुंचकर उनसे मिले और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पैर में चोट के कारण नंदकुमार साय को चलने-फिरने में तकलीफ हो रही थी। आज उन्हें रायपुर आना ही था, इसलिए नंदकुमार साय को भी अपने साथ हेलीकॉप्टर से रायपुर ले आए, ताकि उन्हें यात्रा में असुविधा न हो और बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि नंदकुमार साय के बेहतर उपचार के लिए रायपुर के बालाजी अस्पताल में व्यवस्था की गई है।

हिंदुत्व रक्षक सम्मान समारोह के दौरान 500 लोगों की घर वापसी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरबा। जिले के घंटाघर ओपन थिएटर में आयोजित हिंदुत्व रक्षक सम्मान समारोह के दौरान 100 परिवारों के करीब 500 सदस्यों की हिंदू धर्म में घर वापसी कराई गई। आयोजकों के अनुसार, इन परिवारों ने पहले ईसाई धर्म अपना लिया था और अब अपनी मूल धार्मिक परंपराओं में लौटने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी अनिलानंद महाराज, अखिल भारतीय घर वापसी अभियान के प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव और धर्मसेना के बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हुए। समारोह में हिंदू धर्म में लौटने वाले परिवारों का पांव पखारकर स्वागत किया



गया। हिंदुत्व रक्षक सम्मान समारोह का आयोजन समाज की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने तथा घर वापसी अभियान से जुड़े लोगों को सम्मानित करने के उद्देश्य से किया गया। आयोजकों ने बताया कि घर वापसी करने वाले परिवारों में सक्ती जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के आदिवासी परिवारों के साथ कोरबा जिले के बरपाली, तुमान, पसान और अन्य वनांचल क्षेत्रों के आदिवासी एवं दूसरे वर्गों के लोग शामिल हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर स्वामी अनिलानंद महाराज ने कहा कि हिंदू समाज की रक्षा और धार्मिक परंपराओं को सशक्त बनाने के लिए काम करने वाले लोगों का सम्मान करना सौभाग्य की बात है। उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में अधिकारियों के संरक्षण के कारण धर्मांतरण बढ़ने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि भाजपा सरकार ने धर्मांतरण रोकने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए हैं। उन्होंने सनातन धर्म और धार्मिक परंपराओं की रक्षा के लिए समाज को जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अपने सामान को ताले में बंद रखने के बावजूद लुटेरे उसे लूटने का प्रयास करते हैं, उसी प्रकार सनातन धर्म की सुरक्षा के लिए भी सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने धर्मांतरण कर हिंदू धर्म से अलग होने वालों की तुलना पेड़ से काटकर अलग की गई शाखा से करते हुए अपनी धार्मिक जड़ों और परंपराओं से जुड़े रहने की बात कही। धर्मसेना के कोरबा जिला अध्यक्ष संकेत शर्मा ने बताया कि सक्ती जिले के ग्रामीण इलाकों और कोरबा के बरपाली, तुमान, पसान सहित वनांचल क्षेत्रों के परिवार इस कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। संकेत शर्मा के अनुसार, इन परिवारों को अब महसूस हुआ है कि कथित तौर पर प्रलोभन देकर उन्हें अपने मूल धर्म से दूर किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकांश लोगों को चंगाई सभा में शामिल कर बीमारी ठीक होने का झांसा देकर धर्मांतरित कराया गया था। अखिल भारतीय घर वापसी अभियान के प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने अपने पिता स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव के घर वापसी अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण के विरुद्ध और घर वापसी के लिए उनका अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से समाज को संगठित करने पर जोर दिया।

मानव तस्करी अब अंगों की मांग तक पहुंची, खतरनाक रूप ले चुकी है समस्या - राज्यपाल



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा गंभीर सामाजिक समस्याएं हैं। इन पर प्रभावी रोक के लिए कानूनों का सख्ती से पालन, प्रवर्तन एजेंसियों की सक्रियता और समाज की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। घरेलू हिंसा को सामान्य घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इसे गंभीरता से लेते हुए निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ निराकरण किया जाना चाहिए। समुदाय के साथ स्वयंसेवी संगठनों को भी जागरूकता बढ़ाने और पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

'घरेलू हिंसा रोकने समाज को जागरूक करना आवश्यक'

श्री डेका ने कहा कि पहले संयुक्त परिवार थे, अब एकल परिवार बढ़ रहे हैं। घरेलू हिंसा पहले भी होती थी और आज भी हो रही है। अशिक्षा और बेरोजगारी भी इस समस्या को बढ़ा सकती हैं। इसका शिकार केवल गृहिणियां ही नहीं, बाहर काम करने वाली महिलाएं भी होती हैं। इसका दुष्प्रभाव व्यक्ति, परिवार और समाज सभी पर पड़ता है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए समाज को जागरूक करना होगा। पारिवारिक या मनोवैज्ञानिक समस्याओं वाले मामलों में उचित काउंसलिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए।

'मीडिया समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाने का महत्वपूर्ण माध्यम'

राज्यपाल ने कहा कि घरेलू हिंसा के मामलों में निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ निर्णय लिया जाना चाहिए। कानून के दायरे में तथ्यों और परिस्थितियों को समझकर उचित कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस, न्यायपालिका, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने मीडिया को जागरूकता और सकारात्मक बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। कार्यशाला के सुझावों का प्रभावी क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए, केवल चर्चा से समाधान नहीं होगा।

'घरेलू हिंसा के प्रकरणों का त्वरित निराकरण'

कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण के साथ मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी। उन्होंने घरेलू हिंसा के प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े विशेष रूप से उपस्थित थीं।

मेहनत, अनुशासन और संकल्प का नतीजा - महक नरवासे और पलक सिंह पहुंचीं भारतीय टीम में

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। इंग्लैंड अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम के विरुद्ध आगामी पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में छत्तीसगढ़ की महक नरवासे और पलक सिंह का चयन हुआ है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दोनों खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की दो होनहार बेटियों का भारतीय टीम में चयन पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। श्री चौधरी ने कहा कि यह उपलब्धि दोनों खिलाड़ियों की वर्षों की मेहनत, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और मजबूत संकल्प का परिणाम है। यह छत्तीसगढ़ में उभरती खेल प्रतिभाओं की क्षमता और संभावनाओं को प्रदर्शित करती है।



उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां शिक्षा, खेल और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। महक और पलक का चयन प्रदेश की अन्य बेटियों और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और खेल में भविष्य बनाने वाली बालिकाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रोत्साहित करेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि इंग्लैंड के विरुद्ध सीरीज में दोनों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, जो उनके खेल जीवन में आगे बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने दोनों के प्रशिक्षकों, परिवारजनों और सहयोगियों को भी बधाई दी और विश्वास जताया कि दोनों शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम की सफलता में योगदान देंगी और देश के साथ छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाएंगी।

नवजात बच्चों की खरीद-बिक्री मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, (एजेंसी)। राजधानी में नवजात शिशुओं की कथित खरीद-बिक्री के मामले में आजाद चौक पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जितेन्द्र खेतान को पकड़ा है, जिसके पास से संबंधित नवजात बच्ची के वैध दस्तावेज नहीं मिले। इस मामले में अब तक सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, आजाद चौक थाना में अपराध क्रमांक 307/2026 के तहत बीएनएस की धारा 140(3), 143(4), 318(4) और 61 में मामला दर्ज है। विवेचना के दौरान पहले गिरफ्तार आरोपी कृतिका साहू सहित अन्य महिलाओं से पूछताछ में सामने आया था कि एक नवजात बच्ची को जितेन्द्र खेतान को बेचा गया था।

इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और अन्य तथ्यों की जांच करते हुए जितेन्द्र खेतान की तलाश शुरू की। साक्ष्यों के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी की पहचान जितेन्द्र खेतान (36), पिता सज्जन खेतान, निवासी आशियाना अपार्टमेंट, थाना कबीर नगर, रायपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद आरोपी से नवजात बच्ची से संबंधित वैधानिक दस्तावेज मांगे, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद बच्ची की सुरक्षा और संरक्षण के लिए पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया अपनाते हुए उसे बाल कल्याण समिति (सीडब्लूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया। समिति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बच्ची को सुरक्षित देखभाल के लिए मातृछाया में रखा गया है।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क निर्माण में गुणवत्ताविहीन कार्य का आरोप

शिवसेना ने कलेक्टर से की शिकायत, जांच व कार्रवाई की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन



सूरजपुर। शिवसेना ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ताहीन निमार्ण का आरोप लगाते हुए कलेक्टर जनदर्शन शिकायत कर जांच व कार्रवाई की मांग की है। 8 दिवस में कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

शिकायत पत्र में शिवसेना जिलाध्यक्ष हेमंत महंत ने बताया है कि ग्राम सलका मार्ग से वृन्दावन होते हुए ग्राम डॉई से फुलचुही मार्ग तक सी.सी. रोड़ निर्माण कराया गया है जिसमे गुणवत्ता का ध्यान नहीं दिया गया है जिसके कारण निर्माण के दो माह में ही कई जगह से टूटने लगी है। वृन्दावन रोड निर्माण कार्य में ठेकेदार के द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। पुल निर्माण में भी 8 एवं 10 एम.एम. का सरिया डाला जा रहा है। वही सी.सी. सड़क में 4-6 इंच ढलाई कार्य किया जा रहा है जबकि सड़क में 8 से 10 इंच ढालने का निर्देशित गाईड-लाईन किया गया है। जो ठेकेदार के द्वारा मनमानी तरीके से गुणवत्ताहीन कार्य किया जा रहा है। उक्त संबंध में लगभग 1 माह पूर्व भी शिकायत पत्र प्रस्तुत किया गया था जिस पर आज दिनांक तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। शिवसेना ने उक्त घटिया निर्माण पर गम्भीरता से जांच कराकर नए सिरे से सी.सी. रोड़ निर्माण कराए जाने की मांग की है। 8 दिवस में समुचित कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है। जनदर्शन में आवेदन देने के दौरान शिवसेना जिलाध्यक्ष हेमंत महंत, महिला सेना जिलाध्यक्ष बालकुंवर राजवाड़े, एम.डी. महंत, अमरावती लक्ष्मण सिंह, अशोक ठाकुर शिवचरण दास, सोहन दास उपस्थित रहे।

32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुई जिले की अनुराधा, जिला हुआ गौरवान्वित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन



सूरजपुर। बाल विज्ञान कांग्रेस-2026 का राज्य स्तरीय आयोजन पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में संपन्न हुआ। आयोजन में जिले के विकासखंड रामानुजनगर से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्णपुर की छात्रा अनुराधा ने अपनी उत्कृष्ट वैज्ञानिक परियोजना एवं प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण से राज्य स्तर पर सफलता हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित होकर जिले को गौरवान्वित किया है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि जिला समन्वयक शंभू प्रसाद निषाद व संस्था के प्राचार्य योगेश कुमार गुप्ता ने छात्रा अनुराधा और उसके सहयोगी छात्र तुलेश्वर एवं उनकी मार्गदर्शक शिक्षिका श्रीमती शोभा सोनी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके साथ ही जिले की इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा, जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू एवं सहायक संचालक अजय सिंह ने भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्रा अनुराधा को शुभकामनाएँ दी है।

हाईकोर्ट ने डीईओ का आदेश किया निरस्त, शिक्षक को प्रभारी प्राचार्य पद से हटाने का फैसला रद्द

बिलासपुर, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, जामथान में प्रभारी प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे शिक्षक को राहत दी है। कोर्ट ने जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) द्वारा 15 जुलाई 2026 को जारी आदेश को निरस्त कर दिया, जिसके तहत शिक्षक को प्रभारी प्राचार्य के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया था।

मामले में याचिकाकर्ता राजेश कुमार शर्मा की मूल पदस्थापना शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भरतपुर में व्याख्याता के पद पर है। वे जामथान स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रभारी प्राचार्य की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाल रहे थे। जिला शिक्षा अधिकारी ने आदेश जारी कर उन्हें अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करते हुए मूल पदस्थापना स्थल पर लौटने के निर्देश दिए थे।

इस आदेश को चुनौती देते हुए राजेश कुमार शर्मा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता का तर्क था कि 14 जुलाई 2026 को जारी विभागीय परिपत्र गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के संलग्नीकरण समाप्त करने के संबंध में था, जबकि वे शिक्षकीय संवर्ग के कर्मचारी हैं। ऐसे में उक्त परिपत्र के आधार पर उनका अतिरिक्त प्रभार समाप्त करना उचित नहीं था।

राज्य शासन ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी को विभागीय कर्मचारियों को अतिरिक्त प्रभार देने और वापस लेने का अधिकार है।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने माना कि याचिकाकर्ता व्याख्याता होने के कारण शिक्षकीय संवर्ग में आते हैं, जबकि संबंधित परिपत्र गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के संलग्नीकरण समाप्त करने के लिए जारी किया गया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उक्त परिपत्र शिक्षकीय संवर्ग के कर्मचारी पर लागू नहीं किया जा सकता। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने जिला शिक्षा अधिकारी का 15 जुलाई 2026 का आदेश निरस्त करते हुए याचिका स्वीकार कर ली। हालांकि, कोर्ट ने विभाग को कानून के अनुरूप नया आदेश जारी करने की स्वतंत्रता दी है।

इस फैसले से राजेश कुमार शर्मा को राहत मिली है। कोर्ट ने विभागीय कार्रवाई के लिए अपनाए गए आधार को अनुचित माना है, लेकिन विभाग के वैधानिक अधिकारों पर रोक नहीं लगाई है।

मितानिन सम्मान दिवस पर करौटी ए में साड़ी व श्रीफल भेंटकर मितानिनों का किया गया सम्मान



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। मितानिन सम्मान दिवस पर ग्राम करौटी ए के पंचायत कार्यालय में विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गांव की मितानिनों को साड़ी एवं नारियल भेंटकर सम्मानित किया गया। यह आयोजन मितानिनों के 25 वर्षों के सेवाकाल एवं महत्वपूर्ण योगदान के उपलक्ष्य में किया गया। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की देखभाल, टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन देने तथा ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने में मितानिनों की भूमिका की सराहना की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गांव के सरपंच गजमोचन सिंह ने कहा कि मितानिनें ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने के साथ ही समाज की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनका योगदान सराहनीय एवं प्रशंसनीय है। इस अवसर पर पंचायत सचिव राजेंद्र खैरवार, प्रेरक पुष्पा देवांगन, प्रेरक इंद्रकुंवर सिंह, मितानिन शांति खैरवार, रजमतिया खैरवार सहित बड़ी संख्या में मितानिनें एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रायपुर मास्टर प्लान में बड़ी गड़बड़ी सुधारने की तैयारी, 11 सड़कें फिर जुड़ेंगी, 23 की चौड़ाई बढ़ेगी

रायपुर, (एजेंसी)। राजधानी के मास्टर प्लान 2031 में सड़क मार्गों की चौड़ाई और अलाइनमेंट में किए गए बदलावों को लेकर उठे सवालों के बाद राज्य सरकार ने सुधार की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जांच समिति की अनुशंसाओं के आधार पर मास्टर प्लान में किए गए कई संशोधनों को वापस लेने की तैयारी है। इसके तहत योजना से हटाई गईं 11 सड़कों को दोबारा शामिल करने, 23 सड़कों की चौड़ाई मूल प्रस्ताव के अनुसार बहाल करने और 10 सड़कों का पुराना अलाइनमेंट वापस लाने की सिफारिश की गई है।

मास्टर प्लान में इन बदलावों को लेकर लंबे समय से आपत्तियां उठ रही थीं। जुलाई 2023 में प्रकाशित मास्टर प्लान में सड़कों के मार्ग, चौड़ाई और अलाइनमेंट में किए गए बदलावों के संबंध में शासन को 170 से अधिक शिकायतें मिली थीं। इसके बाद मामले की जांच के लिए समिति गठित की गई थी। समिति की रिपोर्ट के आधार पर अब संशोधन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

दरअसल, 7 अप्रैल 2008 को प्रकाशित मूल मास्टर प्लान 2021 के पुनर्विलोकन के बाद 24 जुलाई 2023 को नया



मास्टर प्लान प्रकाशित किया गया था। इसमें कई सड़कों के प्रस्तावित मार्ग और चौड़ाई में बदलाव किए गए थे। इन बदलावों को लेकर नागरिकों और भू-स्वामियों ने आपत्तियां दर्ज कराई थीं।

शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जांच की पहल की थी। इसके बाद राज्य शासन ने 15 मार्च 2024 को संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की। समिति ने मौके की स्थिति, राजस्व अभिलेख और भविष्य में यातायात के संभावित दबाव का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपी। समिति ने मास्टर प्लान में सड़क संबंधी विसंगतियों को दूर करने के लिए चार प्रमुख अनुशंसाएं की हैं।

11 सड़कें फिर होंगी शामिल- वर्ष 2023 के मास्टर प्लान से हटाए गए 11 आवश्यक मार्गों को दोबारा योजना में शामिल करने की सिफारिश की गई है।

जिन 23 सड़कों की प्रस्तावित चौड़ाई कम कर दी गई थी, उन्हें वर्ष 2021 की मूल योजना के अनुसार बहाल करने की अनुशंसा की गई है। एमआर-33 और एमआर-40 सहित 10 मार्गों के बदले गए अलाइनमेंट को निरस्त कर पुरानी स्थिति बहाल करने का प्रस्ताव है।

तालिकाओं में भी होगा सुधार- प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों के नाम तथा उनकी चौड़ाई से संबंधित हटाए गए विवरण दोबारा जोडऩे की सिफारिश की गई है। इससे भवन निर्माण की अनुमति से जुड़ी प्रक्रियाओं में आ रही अड़चनें दूर करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मास्टर प्लान को लेकर केवल सड़कों के बदलाव ही विवाद का विषय नहीं रहे। भूमि उपयोग में विसंगतियों, ग्रीन बेल्ट और जलाशयों से जुड़े प्रावधानों पर भी आपत्तियां सामने आई थीं। इन मामलों में शासन स्तर पर अलग से कार्रवाई की जा रही है। राज्य शासन ने छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 23-क के तहत प्रस्तावित संशोधनों पर आम नागरिकों, भू-स्वामियों और संबंधित हितधारकों से 15 दिनों के भीतर दावा-आपत्ति और सुझाव आमंत्रित किए हैं।

प्रस्तावित संशोधनों की प्रति कार्यालयीन समय में आयुक्त रायपुर संभाग, कलेक्टर रायपुर, संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश के क्षेत्रीय कार्यालय और नगर निगम रायपुर के आयुक्त कार्यालय में देखी जा सकती है। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित अवधि में लिखित आपत्ति या सुझाव जमा कर सकेंगे।

प्राप्त दावों और आपत्तियों के परीक्षण के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। यदि प्रस्तावित संशोधन लागू होते हैं, तो रायपुर के मास्टर प्लान में सड़क नेटवर्क से जुड़े कई महत्वपूर्ण बदलाव वापस लिए जाएंगे। इससे भविष्य के शहरी विकास, यातायात व्यवस्था और भवन निर्माण की योजना पर भी असर पड़ेगा।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। चांदनी बिहारपुर महाविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस उत्साह से मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य धीरेन्द्र कुमार जायसवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, लोककला, रीति-रिवाजों एवं स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय महापुरुषों के अतुलनीय योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना था। कार्यक्रम संयोजक सहायक प्राध्यापक श्रीमती आभा रंजना कुजूर और सहसंयोजक सचिन कुमार मिंज के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ढोल नगाड़े के साथ मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों को प्रवेश द्वार से लेकर मंच स्थल तक ले जाया गया और साथ में विद्यार्थियों द्वारा पारंपरिक अनाज पारंपरिक व्यंजन की प्रदर्शनी की गई। इसके पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत ज्ञान की देवी मां सरस्वती एवं भगवान



बिरसा मुंडा एवं शहीद वीर नारायण सिंह के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में शिव प्रसाद सिंह मुख्य अतिथि के रूप में रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्रीमती फूलकुंवर सिंह, सरपंच ग्राम पंचायत नवगई, श्रीमती सावित्री सिंह, सरपंच ग्राम पंचायत अवंतिकापुर, शरणसाय सिंह तथा इसके अतिरिक्त अमृत सांडिल्य, अखिलेश तिवारी, विशाल कुशवाहा एवं रूपेश साहू सहित अन्य की उपस्थिति रही। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय समाज के महान स्वतंत्रता सेनानियों एवं महापुरुषों के संघर्ष, बलिदान और सामाजिक योगदान को याद किया गया। वक्ताओं ने जनजातीय समाज की विशिष्ट पहचान, प्रकृति के प्रति उनके प्रेम, पारंपरिक खान-पान, वेशभूषा, लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से जनजातीय महापुरुषों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा शिक्षा के माध्यम से समाज के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन जनजातीय संस्कृति एवं गौरवशाली परंपराओं के सम्मान के संकल्प के साथ हुआ। जनजाति गौरव दिवस के समन्वयक महाविद्यालय के सहायक अध्यापक सुश्री आभार रंजना कुजूर रहे। मंच का संचालनसचिन कुमार मिंज के द्वारा किया गया।

ऑनलाइन गेमिंग में 10 लाख गंवाए, कर्ज चुकाने की चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव, (एजेंसी)। ऑनलाइन गेमिंग में करीब 10 लाख रुपये गंवाने और कर्ज में डूबने के बाद चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को डोंगरगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने घर की रेकी कर परिवार के खेत जाने का इंतजार किया और फिर छत के रास्ते घर में घुसकर सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए। पुलिस ने दोनों आरोपियों से कुल 15 लाख 50 हजार रुपये की संपत्ति बरामद की है।

मामला डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र की मोहारा पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम ठाकुरटोला का है। गांव के निवासी दीपक वर्मा 25 अगस्त 2026 को सुबह करीब 9 बजे परिवार के साथ खेत गए थे। दोपहर करीब 1 बजे लौटने पर घर का ताला टूटा मिला। आलमारी से सोने का नेकलेस, मंगलसूत्र, अंगूठी, चांदी का करधन और पैर पट्टी गायब थे। शिकायत पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान गांव के सुरेन्द्र साहू (36) और गणेश्वर नेताम उर्फ राजू नेताम (25) की भूमिका सामने आई। पुलिस पूछताछ में दोनों ने चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस के अनुसार, सुरेन्द्र ऑनलाइन गेमिंग में करीब 10 लाख रुपये गंवा चुका था और कर्ज चुकाने के लिए उसने साथी गणेश्वर के साथ चोरी की योजना बनाई थी। दोनों ने पहले घर की रेकी कर परिवार की दिनचर्या पर नजर रखी।

वारदात के दिन दोनों सुबह करीब 4 बजे घर के पास पहुंच गए। गणेश्वर ट्रैक्टर की ट्रॉली के सहारे छत पर चढ़कर छिप गया, जबकि सुरेन्द्र बाहर निगरानी करता रहा। सुबह करीब 9 बजे परिवार के खेत जाने के बाद सुरेन्द्र ने मोबाइल से इशारा किया। इसके बाद गणेश्वर नीचे उतरकर लोहे की रॉड से ताला तोड़ घर में घुसा और आलमारी से जेवर चोरी कर लिए। वारदात के बाद दोनों कार क्रमांक सीजी 04 एनजेड 3480 से रायपुर भाग गए और इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में किराये का मकान लेकर रहने लगे। चोरी के जेवर बेचने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं होने पर कुछ जेवर मकान में छिपाकर रख दिए।

पुलिस पूछताछ में सुरेन्द्र की रायपुर के अरिहंत नगर में हुई एक अन्य चोरी का भी खुलासा हुआ। घरेलू कामकाज के दौरान उसने हेमंत साहू के मकान से सोने के टॉप्स और झुमके चोरी किए थे, जिन्हें डोंगरगढ़ स्थित मुथूट फाइनेंस में गिरवी रख दिया था। पुलिस ने वहां से भी जेवर बरामद कर लिए। पुलिस ने ग्राम ठाकुरटोला की चोरी के 8.50 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर, वारदात में इस्तेमाल 5 लाख रुपये की कार और रायपुर के अरिहंत नगर से चोरी किए गए 2 लाख रुपये के सोने के जेवर बरामद किए हैं। कुल जब्त संपत्ति की कीमत 15.50 लाख रुपये बताई गई है।

छत्तीसगढ़ शासन वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग सरगुजा वनमण्डल, अम्बिकापुर (छ.ग.)

विज्ञप्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि वनमण्डल सरगुजा अम्बिकापुर के संजय वन वाटिका अम्बिकापुर के अंदर स्थित कैंटिन किराया पर देने संबंधी निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा की शर्ते एवं निविदा प्रपत्र कार्यालयीन समय में सरगुजा वनमण्डल कार्यालय अम्बिकापुर से दिनांक 16.12.2026 तक 2:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है। निविदा फार्म उसी दिन 03:00 बजे तक जमा करना होगा एवं 04:00 उपस्थित निविदाकारों क समक्ष प्राप्त निविदाएं खोली जावेगी।

वनमण्डलीधिकारी
सरगुजा वनमण्डल अम्बिकापुर

जी-262704637/1

वन विभाग ने दबिश देकर साल के 33 नग चौखट-पटरे जब्त किए

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा वनमंडल ने वन अपराधों पर नियंत्रण के लिए चल रही कार्रवाई के क्रम में सर्च वारंट के आधार पर वन परिक्षेत्र अंबिकापुर, बीट खलीबा अंतर्गत दबिश देकर तलाशी की कार्रवाई की गई। इस दौरान साल प्रजाति की लकड़ी के 33 चौखट एवं पटरे जब्त किए गए। जब्त की गई वन संपदा की अनुमानित कीमत लगभग एक लाख रुपये आंकी गई है।

जानकारी के मुताबिक, 23 नवम्बर को सर्च वारंट के साथ वन विभाग की टीम ने संबंधित परिसर में दबिश दी। टीम को सूचना मिली थी कि एक परिसर में अवैध रूप से साल की लकड़ी का भंडारण कर चौखट-पटरे बनाए जा रहे हैं। सूचना को पुख्ता करने के बाद कोर्ट से सर्च वारंट लिया गया



और नियमानुसार तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान देवी शंकर शुक्ला पिता राम अंचल शुक्ला, निवासी ग्राम घंघरी के परिसर से साल प्रजाति की लकड़ी के कुल 33 नग चौखट एवं पटरे बरामद किए गए। मौके पर लकड़ी का वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर वन विभाग ने पूरी लकड़ी को जब्त करके पंचनामा तैयार किया।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार साल प्रजाति की लकड़ी प्रतिबंधित श्रेणी में आती है। बिना अनुमति के इसकी कटाई, परिवहन और भंडारण गंभीर वन अपराध है। इसे देखते हुए मामले में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्रकरण में अग्रिम जांच एवं कार्रवाई जारी है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध लकड़ी के कारोबार में लगे लोगों में हड़कंप मच गया है। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन संपदा की सुरक्षा हेतु सतत कार्रवाई जारी रहेगी। जंगल से लकड़ी काटकर चौखट, पटरे और फर्नीचर बनाने वाले गिरोह पर विभाग की विशेष नजर है।

ग्रामीणों के अनुसार, घंघरी और आसपास के इलाकों में पिछले कुछ समय से अवैध लकड़ी कटाई की शिकायतें मिल रही थीं। वन विभाग की कार्रवाई को लेकर इलाके में वन सम्पदा को क्षति पहुंचाने वाले पशोपेश में हैं। विभाग ने अपील की है कि, वन संपदा के अवैध दोहन की सूचना तुरंत वन विभाग को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके। फिलहाल जब्त लकड़ी को वन विभाग के कब्जे में सुरक्षित रखा गया है। वन विभाग आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी करने में लगा है।

एनएच की सड़कों के निर्माण में बाधक अतिक्रमण हटाकर कार्य में तेजी लाएं

कलेक्टर ने की धान खरीदी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने सोमवार को समय-सीमा की बैठक में जिले में धान खरीदी व्यवस्था, जनहित से जुड़े मुद्दों, निर्माण कार्यों तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने, योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा जनसमस्याओं के निराकरण में तत्परता बरतने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए सीतापुर राष्ट्रीय राजमार्ग, खरसिया नाका तथा मनेन्द्रगढ़ रोड के सड़क निर्माण कार्यों के प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने भू-अर्जन, सड़क निर्माण में बाधक अतिक्रमण हटाने तथा संबंधित प्रकरणों के निराकरण, प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई समय पर सुनिश्चित करने कहा। सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण के स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से समाधान करने तथा शिकायतकर्ताओं को संतोषजनक निराकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में पेयजल व्यवस्था, सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण, विद्युत आपूर्ति और हाईटेंशन तारों से संबंधित समस्याओं, उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण, वय वंदन कार्ड निर्माण, आयुष्मान कार्ड निर्माण सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का समन्वयपूर्वक निराकरण कर आवश्यक कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सुग्घर छत्तीसगढ़ योजना के क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए योजना के उद्देश्यों के अनुरूप कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। जनपदवार समीक्षा के दौरान पीएम जनमन योजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों तथा आवास योजना की प्रगति की जानकारी ली। बैठक में जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर प्रताप विजय खेस्स, नगर निगम आयुक्त विनय अग्रवाल सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।



धान खरीदी केंद्रों का मैदानी निरीक्षण सुनिश्चित करें

बैठक में जिले के धान खरीदी केंद्रों में जारी धान खरीदी की केंद्रवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने किसानों के रकबा सत्यापन, अवैध रूप से धान खपाने की रोकथाम तथा खरीदी प्रक्रिया में सभी सुविधाओं के साथ पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सभी धान खरीदी केंद्रों का मैदानी निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए एसडीएम, उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं, जिला विपणन अधिकारी एवं खाद्य अधिकारी को संयुक्त रूप से केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने तथा खरीदी की नियमित निगरानी करने कहा।

श्रमिकों के बच्चों के लिए मिनी आंगनबाड़ी सुविधा

ईंट भट्ठों के निरीक्षण के संबंध में श्रम विभाग, डीपीओ एवं खनिज विभाग को संयुक्त रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ईंट भट्ठों में कार्यरत श्रमिकों के बच्चों को कार्यस्थल पर अस्थायी मिनी आंगनबाड़ी सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निरीक्षण करने कहा, ताकि बच्चों को पोषण एवं प्रारंभिक देखभाल की सुविधाएं मिल सकें।

शिक्षा एवं स्कूल भवन के निर्माण कार्यों पर जोर

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान आरटीई अंतर्गत बच्चों के एडमिशन की जानकारी कलेक्टर ने ली। उन्होंने सभी निजी संस्थानों को आरटीई अंतर्गत शाला छोड़ने वाले बच्चों के शाला छोड़ने के कारणों को सूचीबद्ध करते हुए सात दिवस के भीतर शिक्षा विभाग में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही स्कूल भवनों के निर्माण एवं अन्य शैक्षणिक अधोसंरचना संबंधी कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करने कहा।

दिसंबर तक बालिका शौचालय निर्माण पूर्ण करें

कलेक्टर ने बालिका शौचालयों की जानकारी लेते हुए नए वर्ष में ग्रामों में स्वीकृत तथा निर्माणाधीन बालिका शौचालयों को पूर्ण करने तथा सभी विद्यालयों में दिसंबर तक बालिका शौचालय निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने ग्रामों में मुक्तिधाम निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा की। इसके साथ ही सभी जनपदों में वीबी-जी राम जी योजनांतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने कार्यों में तेजी लाने, योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने तथा विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

शराब पीकर वाहन चलाने और ट्रिपल राइडिंग के 63 मामलों में कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सरगुजा पुलिस द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के तहत थाना कोतवाली, गांधीनगर, मणीपुर और यातायात शाखा की टीमों ने संयुक्त रूप से प्रमुख चौक-चौराहों पर सघन चेकिंग की। इस दौरान विशेष रूप से शराब पीकर वाहन चलाने और दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी एवं मॉडिफाइड साइलेंसर युक्त वाहनों पर पुलिस की नजर रही। कुल 63 वाहन चालकों में 05 तीन सवारी वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई हुई।

अभियान के दौरान नशे की हालत में वाहन चलाते पाए गए 4 चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत इस्तगासा तैयार कर न्यायालयीन कार्रवाई की गई। थाना कोतवाली पुलिस ने एमव्ही एक्ट के तहत कुल 10 प्रकरण दर्ज किए, जिसमें बिना हेलमेट 3 प्रकरणों में 1,500 रुपये शुल्क और मौके पर दस्तावेज पेश नहीं करने के 3 प्रकरणों में 1,800 रुपये शुल्क की कार्रवाई की गई। थाना गांधीनगर पुलिस ने कुल 08 प्रकरणों में 3,700 रुपये समन शुल्क वसूला। इसमें बिना हेलमेट वाहन चलाने के 03 प्रकरण, मौके पर दस्तावेज पेश नहीं करने के 04 प्रकरण और बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने का 01 प्रकरण शामिल है। थाना मणीपुर पुलिस ने बिना सीट बेल्ट के 3 प्रकरण, मौके पर दस्तावेज पेश नहीं करने के 5 प्रकरण और तीन सवारी के 2 प्रकरण समेत कुल 10 चालानी कार्रवाई की गई।

यातायात पुलिस ने सर्वाधिक 35 प्रकरणों में की कार्रवाई

यातायात शाखा ने सर्वाधिक 35 प्रकरणों में 14,900 रुपये का समन शुल्क वसूला, जिसमें बिना सीट बेल्ट के 14 प्रकरण, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग के 8 प्रकरण, बिना हेलमेट 5 प्रकरण, दोपहिया पर ट्रिपल राइडिंग 3 प्रकरण, मालवाहक में सवारी बैठाने के 2 प्रकरण, दस्तावेज नहीं होने के 2 प्रकरण और बिना वर्दी वाहन चलाने के 1 प्रकरण में कार्रवाई की।



नाबालिग के वाहन चलाने पर 25 हजार, पिकअप चालक पर 10 हजार अर्थदंड

यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले दो प्रकरणों में न्यायालय द्वारा 35 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। नाबालिग द्वारा दोपहिया वाहन चालन के मामले में न्यायालय द्वारा रूपचंद पिता तेज नारायण 45 वर्ष, निवासी ग्राम हर्रटिकरा पर 25 हजार रुपये अर्थदंड लगाया है। वहीं दूसरे प्रकरण में, पिकअप वाहन चालक राजा नागेश पिता मोहन नागेश 35 वर्ष, निवासी लुण्ड्रा के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट शराब के नशे में वाहन चलाने पर न्यायालय द्वारा 10 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया।

अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए करें नियमों का पालन

सरगुजा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें। वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करें और शराब पीकर वाहन चलाने या ट्रिपल राइडिंग जैसी लापरवाही से बचें। नाबालिगों को वाहन चलाने के लिए न दें।

सड़क पर गिरी महिला, इलाज के दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। धान का फसल काटने पैदल ग्राम सिलफिली गई महिला अचानक सड़क पर गिर गई, अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, मणीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पचफेड़ी बहेरापारा की सोमारी बाई 54 वर्ष, 15 नवम्बर को सूरजपुर जिला के जयनगर थाना अंतर्गत ग्राम पार्वतीपुर में रहने वाली अपनी पुत्री ललिता मिंज के यहां धान का फसल काटने गई थी। इसके बाद 22 नवम्बर को दोपहर के समय ग्राम सिलफिली धान काटने गई और मुख्य मार्ग में ही अचानक गिर गई। आसपास मौजूद लोगों ने उसे सूरजपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचाया, यहां से रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम पम्पापुर का शिव प्रसाद कंवर पिता जयश्री 45 वर्ष, रविवार को अंबिकापुर आया था और पिकअप वाहन में सवार होकर अपने घर जाने के लिए निकला था। दरिमा के ग्राम भाटापारा में वह पिकअप वाहन से उतरकर पैदल अपने घर जा रहा था, इसी दौरान अज्ञात वाहन का चालक उसे ठोकर मार दिया। इसकी जानकारी मिलने पर स्वजन दरिमा स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे, यहां से चिकित्सक ने प्राथमिक चिकित्सा के बाद उसे रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में रात 8.55 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

मेडिकल स्टोर के आड़ में नशे का कारोबार, संचालक जेल दाखिल

2 लाख की प्रतिबंधित कफ सिरप और 3600 टैबलेट जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संभागीय आबकारी उड़नदस्ता सरगुजा की टीम ने अंबिकापुर में नशीली दवाओं के बड़े कारोबार का भंडाफोड़ किया है। टीम ने मेडिकल दुकान संचालक राजेश समद्दार के ठिकाने से करीब दो लाख रुपये कीमत की 207 नग प्रतिबंधित कफ सीरप एवं 3600 नग प्रतिबंधित टैबलेट जब्त कर उसे जेल दाखिल कर दिया है।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि सुभाषनगर वार्ड क्रमांक-2 के न्यू अनुष्का मेडिकल स्टोर के संचालक मालिक राजेश समद्दार द्वारा भारी मात्रा में नशीली कफ सीरप एवं टैबलेट बेचा जा रहा है। इसकी तस्दीक के लिए पहले मेडिकल स्टोर से खरीदी कराई गई। खरीदी की पुष्टि होने पर न्यू अनुष्का मेडिकल स्टोर में छापा मारा गया। मेडिकल दुकान का मालिक राजेश समद्दार दुकान पर मौजूद मिला, परंतु मेडिकल स्टोर में कोई संदिग्ध मादक पदार्थ नहीं मिला। तत्पश्चात मेडिकल स्टोर के पीछे एक कमरे से स्वयं मेडिकल स्टोर के संचालक राजेश समद्दार ने 132 नग मैगनाटस-टी कफ सिरप और 75 नग एपिमोर सिरप और 3600 नग प्रतिबंधित टैबलेट बरामद कराया। राजेश समद्दार को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(सी) के तहत गिरफ्तार करके



न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कर दिया गया। आरोपी से जब्त संपत्ति का बाजार मूल्य लगभग दो लाख रुपये है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी के साथ आबकारी उपनिरीक्षक टी.आर. केहरी, अनिल गुप्ता, आबकारी आरक्षक दीपक पांडे, आशीष कुंज, नगर सैनिक गणेश पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उत्तर प्रदेश से इंजेक्शन, टेबलेट लेकर आता था

सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह उत्तर प्रदेश से माल लेकर आता है। आगे के लिंक की पतासाजी की जा रही है। उन्होंने नशीली दवाइयों के कारोबारियों से अपील की है कि वे इस व्यापार से दूर रहें, क्योंकि इसमें एनडीपीएस एक्ट के तहत कठिन से कठिन सजा दी जा रही है। अपने बाल-बच्चों एवं अपने परिवार का ध्यान रखें तथा नशीली दवाइयां बेचकर युवा पीढ़ी को नशे के गर्त में न ढकेलें।

अवैध धान की शिकायत पर मेंड्राकला में राजस्व टीम ने दी दबिश

मौके पर मिले धान और गिरदावरी का करते रहे मिलान





छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होते ही खरीदी केंद्रों में अवैध धान खपाने की आशंका पर प्रशासन ने सख्ती बरतना शुरू कर दिया है। ऐसी ही एक शिकायत पर राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम मेंड्राकला में दबिश दी। किसान वंश बहादुर राजवाड़े के यहां धान और फसल संबंधी दस्तावेजों की जांच नायब तहसीलदार के मौजूदगी में आरआई सहित राजस्व विभाग का अमला करने में लगा है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अपने खेत का धान ही बेचें और किसी भी तरह की गड़बड़ी की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

मौके पर नायब तहसीलदार लखेश्वर सिदार ने बताया कि अवैध धान के संबंध में शिकायत मिलने पर वे पटवारी और राजस्व विभाग की टीम के साथ ग्राम मेंड्राकला पहुंचे हैं। किसान वंश बहादुर के यहां धान के उपार्जन संबंधी आवश्यक जांच कार्रवाई चल रही है। जांच के बाद ही वास्तविक तथ्य स्पष्ट हो पाएंगे। मौके पर जो धान मिला है और रिकॉर्ड, गिरदावरी, किसान आईडी में कितना धान दर्ज है, इसका मिलान कर आवश्यक जांच की कार्रवाई पूरी की जा रही है। प्रशासन की इस कार्रवाई से खरीदी केंद्रों में अवैध धान खपाने की कोशिश करने वालों में खलबली मच गई है। किसानों का कहना है कि बाहरी धान की वजह से असली किसानों का हक मारा जाता है। खरीदी में गड़बड़ी रोकने के लिए राजस्व विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है।

बता दें कि, धान की खरीदी शुरू होते ही बाहर से लाए गए धान को स्थानीय किसानों के नाम पर खपाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। कलेक्टर के निर्देश पर ऐसी शिकायतों को प्रशासन की टीम गंभीरता से ले रही है। नायब तहसीलदार ने कहा कि रिकॉर्ड की जांच के बाद यदि दस्तावेजों और वास्तविक उत्पादन में अंतर पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। अवैध धान पाए जाने पर जब्ती के साथ संबंधितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी होगी। सभी खरीदी केंद्रों पर दस्तावेजों की सख्त जांच के निर्देश दिए गए हैं। लोग इस कार्रवाई को प्रशासन की सख्ती का संकेत मान रहे हैं। खरीदी के शुरुआती दिनों में ही दबिश से यह साफ हो गया है कि प्रशासन इस बार अवैध धान के खेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। बहरहाल जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि धान वैध है या अवैध तरीके से खपाने की कोशिश चल रही थी।

किसान हितैषी योजनाओं से मजबूत हो रहे किसान

पूर्व मंत्री रामसेवक पैकरा ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिला मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय में छत्तीसगढ़ शासन के वन विकास निगम के अध्यक्ष एवं पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा ने प्रेसवार्ता में प्रदेश सरकार की कृषि एवं किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी। रामसेवक पैकरा ने कहा कि प्रदेश की सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनके आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए लगातार काम कर रही है। सरकार का प्रयास है कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले और खेती उनके लिए लाभ का माध्यम बने। इसी उद्देश्य से कृषक उन्नति योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रति एकड़ के आधार पर सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया है, इससे किसानों को अपनी जरूरत के अनुसार उपज बेचने की स्वतंत्रता मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार केवल धान उत्पादक किसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि दलहन, तिलहन, मक्का और मिलेट्स जैसी वैकल्पिक फसलों को भी प्रोत्साहित कर रही है। इससे खेती में विविधता आएगी और किसानों के लिए आय के नए अवसर तैयार होंगे। गन्ना उत्पादक किसानों के हित में भी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। गन्ने का उपार्जन मूल्य बढ़ाकर किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ देने का प्रयास किया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत दलहन एवं तिलहन फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी को किसानों के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि कोदो, कुटकी और रागी जैसी पारंपरिक फसलों के उत्पादन एवं खरीदी को प्रोत्साहित कर सरकार प्रदेश की कृषि संस्कृति



और किसानों की आजीविका को मजबूती देने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांव, गरीब और किसान के विकास को केंद्र में रखकर योजनाओं का संचालन कर रही है। किसानों को आर्थिक सहायता, फसलों का उचित मूल्य और कृषि के क्षेत्र में नए अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार की इन पहलों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, गोपाल कृष्ण मिश्रा, गिरजा पाठक, जितेन्द्र श्रीवास्तव सहित किसान मोर्चा के पदाधिकारी एवं भाजपा के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिनदहाड़े घर में घुसकर 8 हजार नकद और 40 हजार का जेवरात चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। धौरपुर थाना अंतर्गत ग्राम नवडीहा में दिनदहाड़े घर में घुसकर अज्ञात चोर ने नकद रकम और जेवर चोरी कर लिया। थाना धौरपुर में की गई लिखित शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम नवडीहा पटोरा निवासी नीरज एक्का पिता लाजरूस एक्का के घर में 18 नवम्बर को दिन में 12.30 से 02 बजे के बीच अज्ञात आदमी घुसा और नकद 8 हजार रुपये, सोने के जेवरातों में मंगलसूत्र, कान के, दो अंगूठी और बच्चे के हाथ का ब्रेसलेट गहनों के बिल के साथ चोरी करके ले गया। चोरी गए गहनों की कीमत 40 हजार रुपये बताई जा रही है।

श्रीमद्भागवत कथा से मिलता है भक्ति, सदाचार और लोककल्याण का संदेश



छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल सोमवार को सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम गुमगराकला में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए। उन्होंने श्रद्धापूर्वक कथा श्रवण करके भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, आराधना में सहभागिता की तथा प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा जैसे आध्यात्मिक आयोजन भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि ग्राम गुमगराकला में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में सम्मिलित होकर कथा श्रवण करने एवं प्रभु श्रीकृष्ण की भक्ति में सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस पावन आध्यात्मिक आयोजन में उपस्थित होकर मन को असीम शांति और आनंद की अनुभूति हुई। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में प्रार्थना करते हुए कहा कि प्रभु अपनी कृपा और आशीर्वाद सभी पर बनाए रखें तथा प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर